सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 95 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 17 जनवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

केन्द्र सरकार ने दी आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी, बजट से पहले केन्द्रीय कर्मचारियों को बड़ा तोहफा

नई दिल्ली ए.। आम बजट से पहले केंद्र सरकार ने लाखों केंद्रीय कर्मचारियों को तोहफा दिया है। केंद्र सरकार ने गुरुवार को आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी देने का एलान कर दिया। गठन के बाद आयोग की रिपोर्ट के आधार पर कर्मचारियों की सैलरी और पेंशनधारकों के पेंशन में इजाफा होगा। एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में 8वें वेतन आयोग के गठन का फैसला लिया गया। इस आयोग को 2026 तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। 7वें वेतन आयोग का गठन 2016 में किया गया था और इसका कार्यकाल 2026 में समाप्त होगा।

केन्द्र सरकार के इस कदम का इंतजार एक करोड़ से अधिक केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को था। ये अपने मूल वेतन, भत्ते, पेंशन और अन्य लाभों को संशोधित करने में मदद के लिए आयोग के गठन की आस लगाए थे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा करते हुए कहा कि आयोग का गठन 2026 तक हो जाएगा। उन्होंने आगे दोहराया कि सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें पहले ही लागू की जा चुकी हैं। सरकार बाद में सदस्यों सहित आयोग के अन्य विवरणों के बारे में जानकारी देगी। सातवें वेतन आयोग ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन ढांचे, भत्तों और पेंशन में महत्वपूर्ण बदलाव किए है। जिससे वेतन समानता सुनिश्चित हुई और सक्रिय कर्मचारियों और सेवानिवृत्त पेंशनभोगियों दोनों को लाभ हुआ। इसके बाद अब 8वें केन्द्रीय वेतन आयोग का गठन होने वाला है।

रायपुर में कंस्ट्रक्शन कारोबारियों के घर आईटी की रेड, तड़के 3 गाड़ियों से पहुंची टीम

रायपुर। राजधानी में श्री श्याम इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिकों के घर पर आयकर विभाग ने छापा मारा है। दो से तीन कार में सवार होकर पहुंची अफसरों की टीम ने शुक्रवार सुबह अवंति विहार स्थित कारोबारियों के दफ्तर और घर में छापेमारी की है। कारोबारी कंस्ट्रक्शन से जुड़े कई बड़े सरकारी प्रोजेक्ट्स के ठेके लेते हैं। आयकर विभाग को इनपुट मिला है कि कारोबारियों ने करोड़ों की टैक्स चोरी की हैं। इनके दफ्तर और घर पर दस्तावेजों की जांच चल रही है। जहां कार्रवाई चल रही है वहां मेन गेट पर पर राधेश्याम अग्रवाल, बजरंग अग्रवाल और विशाल अग्रवाल ये नाम लिखे मिले हैं।

किरणदेव बने छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री ने किया ऐलान

राष्ट्रीय महामंत्री के सामने आया एक ही नाम, रायपुर में हुई घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। किरणदेव सिंह छत्तीसगढ़ भाजपा अध्यक्ष फिर से चुने गए हैं। पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने इसका ऐलान कर दिया है। देर रात वो रायपुर पहुंचे। खुद किरणदेव ने ही एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। साथ में प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन भी मौजूद थे। गुरुवार रात को चुनाव प्रक्रिया के दौरान केवल एक ही नामांकन आया और वह किरणदेव सिंह का है। गुरुवार रात पार्टी के प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया को पूरा किया गया।

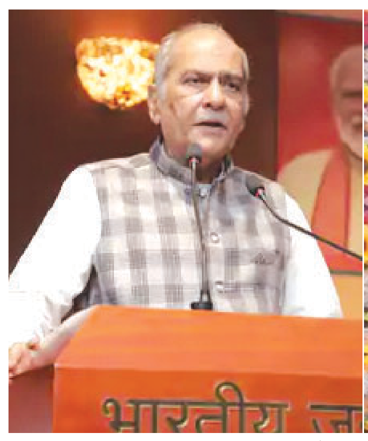

इसके लिए चुनाव अधिकारी बनाए गए खूबचंद पारख ने बताया कि 3 सेट में नामांकन आए हैं। तीनों में किरणदेव का नाम है। अब दिल्ली से सहमति लेने के बाद विनोद तावड़े नाम की घोषणा करेंगे। शुक्रवार को पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े इसका ऐलान करेंगे। चुनाव अधिकारी बनाए गए खूबचंद पारख ने बताया कि किसी व्यक्ति को अध्यक्ष बनने के लिए 3 बार का सक्रिय सदस्य होना जरूरी है। 30 प्रस्तावक थे, जो नामांकन जमा हुआ है, वह केवल किरणदेव के नाम पर जमा हुआ है। इसके बाद रायपुर से किरणदेव के नाम की घोषणा की जाएगी। धरमलाल कौशिक, नारायण चंदेल भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद के दावेदार माने जा रहे थे। दावेदारी की खबरों से ये नेता इनकार भी नहीं कर रहे थे और खुले तौर पर कुछ स्वीकार भी नहीं कर रहे थे। जब नामांकन की प्रक्रिया शुरू हुई तो दोनों ही नेता मंच पर किरणदेव से हाथ मिलाते दिखे, दोनों ने अपने नाम आगे नहीं किए।

इस वजह से किरणदेव का दावा हुआ मजबूत

किरणदेव सिंह ने छत्तीसगढ़ में सरकार बनने के बाद प्रदेश अध्यक्ष की कमानप संभाली। अपने कार्यकाल का करीब एक साल पूरा किया। लोकसभा चुनाव जब सामने आए तो प्रदेश भाजपा की परफॉर्मेंस अच्छी रही, बस्तर में भाजपा का सांसद बना, किरणदेव बस्तर से ही विधायक हैं। अब सामने निकाय चुनाव हैं, संगठन के स्ट्रक्चर को फिलहाल दिल्ली के बड़े नेता डिस्टर्ब नहीं करना चाहते। ये भी किरणदेव के रिपीट होने की एक वजह है। बस्तर से आने वाले किरणदेव के अध्यक्ष बने रहने से आदिवासी क्षेत्र के नेता के हाथों कमान है, ये भाजपा प्रकट कर सकती है। क्योंकि कांग्रेस में भी बस्तर के ही दीपक बैज अध्यक्ष हैं। कोई खास विरोध या कार्यकर्ताओं में किरणदेव को लेकर नाराजगी नहीं है, इस वजह से भी किरणदेव को बदलने पर गौर नहीं किया गया। आखिरकर किरण देव सिंह के नाम पर मुहर लग गई। इसके बाद बधाईयों का दौर शुरु हो गया।

सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी मुठभेड़ में मारे गए 12 नक्सली

सीएम साय बोले- नक्सलियों के खात्मे के लिए सरकार संकल्पित

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने बड़ी सफलता हासिल की है। जिले के उसूर ब्लॉक के पुजारी कांकेर व मारुड़बाका के जंगल में गुरुवार को सुरक्षाकर्मियों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। सुरक्षाबल के जवानों ने मुठभेड़ में 12 नक्सलियों को मार गिराया है। मारे गए सभी नक्सलियों के शव भी बरामद कर लिए हैं। बताया जा रहा है कि मारे गए नक्सलियों की संख्या और भी बढ़ सकती है। इधर इस सफलता पर छत्तीसगढ़ के सीएम साय ने कहा कि नक्सलवाद के अंधकार को मिटाकर प्रदेश में शांति और विकास की रौशनी फैलाने छत्तीसगढ़ सरकार दृढ़ संकल्पित है।

बता दें बीजापुर और तेलंगाना की सीमा पर तीन जिलों के नक्सलियों के खिलाफ जवान बड़ा ऑपरेशन चला रहे हैं। बताया जा रहा है कि नक्सली बड़ी बैठक ले रहे थे। इसमें छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना कैडर के हार्ड कोर नक्सली बैठक में शामिल थे। इस बीच गुरुवार को सुरक्षाकर्मियों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। दक्षिण बीजापुर के जंगल में सुबह करीब नौ बजे गोलीबारी शुरू हो गई। इस दौरान कई नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया। 12 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

इस एनकाउंटर में कुल कितने नक्सली मारे गए हैं अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है। जवानों के वापस लौटने के बाद ही पूरी तरह से स्पष्ट हो सकेगा। शुक्रवार सुबह से ही फोर्स फिर सर्चिंग पर पहुंच गई है। तीन जिलों के लगभग 1500 से ज्यादा जवानों ने इलाके को घेर रखा है और आसपास सर्चिंग की जा रही है। बताया जा रहा है कि सर्चिंग पूरी होने के बाद मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ सकती थी।

सीएम साय ने की अभियान की सराहना

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को बीजापुर-सुकमा बॉर्डर पर मुठभेड़ के दौरान पुलिस द्वारा नक्सलियों को मार गिराए जाने की जानकारी मिलने पर नक्सल विरोधी अभियान की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की पुलिस को नक्सलियों के विरुद्ध एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नक्सलवाद के अंधकार को मिटाकर प्रदेश में शांति और विकास की रौशनी फैलाने हम दृढ़ संकल्पित हैं।

ग्लोबल एक्सपो में पीएम मोदी

जितनी भारत में हर साल गाड़ियां बिक रहीं, उतनी कई देशों की आबादी नहीं

नईदिल्ली ए.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में प्रदर्शनी का अवलोकन किया। पीएम मोदी ने शुक्रवार को ऑटो एक्सपो का उद्घाटन भी किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की ऑटोमोटिव इंडस्ट्री जबरदस्त भी है और भविष्य के लिए तैयार भी है। भारत की ऑटो इंडस्ट्री पिछले साल में लगभग 12त्न की दर से आगे बढ़ी है। इतनी कई देशों की आबादी नहीं है, जितनी भारत में हर साल गाड़ियां बिक रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आप कल्पना करें को जब भारत विश्व की सबसे बड़ी तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा, तब भारत का ऑटो मार्केट कहां होगा। विकसित भारत की यात्रा मोबिलिटी सेक्टर की भी अभूतपूर्व विस्तार की यात्रा होने वाली है।'

दिल्ली में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना फिलहाल नहीं होगी लागू

हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नईदिल्ली ए.। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अपने एक आदेश में पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में फिलहाल लागू करने पर रोक लगा दी है। दरअसल दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने एक आदेश में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और दिल्ली सरकार के बीच एक समझौता करने का निर्देश दिया था। इस समझौते के तहत प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य ढांचा मिशन को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लागू किया जाना था। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने का आदेश दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर उनका जवाब मांगा है। दिल्ली सरकार की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए।

सैफ पर हमले का आरोपी हिरासत में, बांद्रा रेलवे स्टेशन से पकड़ाया

मुंबई ए.। एक्टर सैफ अली खान पर घर में घुसकर हमले के मामले में मुंबई की बांद्रा पुलिस ने शुक्रवार को एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस के मुताबिक, हमले के बाद संदिग्ध सीसीटीवी में बांद्रा रेलवे स्टेशन के पास नजर आया था। उसे इसी इलाके से हिरासत में लिया गया है। संदिग्ध 15 जनवरी की रात ढाई बजे सैफ के घर की छठी फ्लोर से नीचे उतरता दिखा था।

सैफअली खान पर बुधवार रात ढाई बजे घर में घुसकर हमला किया गया था। हमले के बाद रात को ही एक्टर को लीलावती हॉस्पिटल ले जाया गया था। अब डॉक्टर्स ने सैफ का हेल्थ बुलेटिन जारी किया है। लीलावती हॉस्पिटल के चीफ न्यूरोसर्जन डॉ.डॉ.नितिन डांगे और ष्टह्रह्र डॉ. नीरज उत्तमानी ने बताया कि सैफ को आइसीयू वार्ड से स्पेशल रूम में शिफ्ट कर दिया गया है। फिलहाल सैफ पूरी तरह से खतरे से बाहर हैं।

डॉक्टर्स ने कहा- सैफ तेजी से रिकवरी कर रहे हैं। हमले के दौरान एक्टर के चाकू 2 मिलीमीटर से लगने से बचा है, 2 मिलीमीटर और अंदर जाता तो स्पाइनल कॉर्ड में दिक्कत हो सकती थी। फिलहाल सैफ को एक हफ्ते रेस्ट करने की सलाह दी गई है। कंडीशन को देखते हुए 2 से 3 दिन में सैफ को डिसचार्ज किया जा सकता है।

मनु भाकर- डी गुकेश सहित चार खिलाड़ियों को मिला खेल रत्न

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिए खेल पुरस्कार

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की महिला निशानेबाज मनु भाकर और विश्व शतरंज चैंपियनशिप के विजेता भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश सहित चार खिलाड़ियों को खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में खेल पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। इस दौरान खेल मंत्री मनसुख मांडविया और अन्य केंद्रीय मंत्री भी मौजूद रहे।

खेल मंत्रालय द्वारा जनवरी के शुरुआती सप्ताह में खेल पुरस्कार 2024 की घोषणा की गई थी और राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मुर्मू ने पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। मनु और गुकेश के अलावा भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरालंपियन प्रवीण कुमार को भी खेल रत्न पुरस्कार दिया गया।

हरमनप्रीत सिंह | मनु भाकर | प्रवीण कुमार | डी गुकेश

34 खिलाड़ियों को मिला अर्जुन पुरस्कार

खेल रत्न के अलावा 34 खिलाड़ियों को 2024 में खेलों में उत्कृट प्रदर्शन के लिए अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया जिसमें से एथलीट सुचा सिंह और पैरा तैराक मुरलीकांत राजाराम पेटकर को अर्जुन अवॉर्ड लाइफटाइम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बेहतर कोचिंग देने के लिए पांच लोगों को द्रोणाचार्य पुरस्कार मिला, जिसमें बैडमिंटन कोच एस मुरलीधरन और फुटबॉल कोच अरमांडो एगनेलो कोलाको को लाइफटाइम वर्ग में शामिल हैं।

मनु-हरमनप्रीत, गुकेश ने विश्व चैंपियनशिप में किया प्रभावित

22 वर्ष की मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बनी थीं जिन्होंने अगस्त में पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक में ही हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारत ने लगातार दूसरे ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। 18 वर्ष के गुकेश सबसे युवा विश्व चैंपियन बने जो पिछले साल शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक में भी सूत्रधार रहे थे। पैरा हाई जंपर प्रवीण ने पेरिस पैरालंपिक में टी64 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। यह उन खिलाड़ियों की श्रेणी है जिनका घुटने से नीचे एक या दोनों पैर नहीं होता है और वे दौड़ने के लिए कृत्रिम पैर पर निर्भर होते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और चुनाव

श्रीकंचनपथ

चुनाव आयोग ने दिल्ली चुनावों को लेकर निर्देश जारी किये हैं। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का इस्तेमाल कर बनाए गए मीम्स, रील्स और विजुअल कंटेन्ट का उपयोग करने पर पार्टियों को ऐसे कंटेन्ट पर एआई लेबलिंग करने के साथ ही डिस्क्लेमर देने के निर्देश दिये हैं। आयोग का मानना है कि एआई का इस्तेमाल वोटरों को भरमा सकता है जो चुनाव की निष्पक्षता को प्रभावित करता है। देर आयद दुरुस्त आयद। चुनाव आयोग को यह फैसला बहुत पहले कर लेना चाहिए था। वैसे भी जरूरी नहीं कि भ्रामक जानकारियां केवल एआई का इस्तेमाल करके ही दी जा सकती है। चुनाव आयोग इंडियन टैलेंट को कम करके आंक रहा है। आजादी के बाद से ही देश निर्माण मोड पर रहा है। इंजीनियरिंग को टॉप का विषय माना जाता था तो चिकित्सा को संभ्रांत वर्ग का पेशा। कला संकाय के लोग बाबू और किरानी बनते थे। कमोबेश यही सिस्टम अंग्रेज यहां छोड़ कर गए थे। बस सुविधाएं कम थीं इसलिए लोगों को कानून पढ़ने के लिए भी विलायत जाना पड़ता था। इस भागमभाग में इतिहास, भाषा और सामाजिक विज्ञान जैसे विषय काफी पीछे छूट गए। एक समय था जब लोग यह मानकर चलते थे कि केवल थर्ड डिवीजन में पास होने वाला ही मजबूरी में आर्ट्स लेता है। आर्ट्स की जो थोड़ी बहुत इज्जत अब भी बाकी है वह कुछ ही राज्यों में सिमटी हुई है। इसलिए जब कोई इतिहास को तोड़ता मरोड़ता है तो किसी को दर्द नहीं होता। कोई ज्ञान पहले से रहेगा तब तो समझ में आएगा कि इतिहास को दोबारा अपने हिसाब से लिखा जा रहा है। ऐसा भी नहीं कि प्राचीन इतिहास पर कोई शोध हो रहा है। कोई एक जानकार आकर कह देता है कि ऐसा-ऐसा हुआ था, और लोग मानने लग जाते हैं। जिम्मेदार राष्ट्रीय प्रिंट मीडिया भी इसका आनन्द ले रहा है। ब्राउजर पर रामायणकाल या महाभारतकाल के किस्से शीर्ष पर होते हैं। बीमारियों और उनके इलाज को लेकर भी खूब रायता फैला हुआ है। इस भ्रम को फैलाने के लिए किसी एआई टूल की जरूरत नहीं है। आपको केवल विश्वसनीय ढंग से झूठ का प्रचार करना होता है। जब महत्वपूर्ण लोग झूठ बोलते हैं तो बहुत सारे लोग उसपर यकीन कर लेते हैं। गलत, सड़े गले और अप्रांसगिक मुद्दों को भी उठाकर चुनावी माहौल बनाया जाता है। इसके लिए भी एआई की जरूरत नहीं पड़ती। वैसे भी एआई टूल्स का इस्तेमाल लोगों को मजा देने के लिए ही ज्यादा किया जाता है। लोग जानते हैं कि बाबा अम्बेकर कभी केजरीवाल से नहीं मिले। उनका 1956 में निधन हो गया था। केजरीवाल का जन्म 1968 में हुआ। एआई टूल के जरिए एक क्लिप तैयार किया गया है जिसमें बाबा साहेब केजरीवाल के सिर पर हाथ फेर रहे हैं। वैसे भी अब आबादी को एससी/एसटी, ओबीसी, हिन्दू-मुसलमान में नहीं बल्कि स्त्री पुरुष के रूप में बांटा जा रहा है। जल्द ही राजनीति में सबकुछ बदल जाएगा।

संपादकीय

संगम में करोड़ों लोग की डुबकी दृश्य अद्भुत

प्रयागराज त्रिवेणी संगम से आ रहे दृश्य अद्भुत हैं। संपूर्ण पृथ्वी पर भारत ही एकमात्र देश है जहां इस तरह के अद्भुत आयोजन संभव हैं। केवल भारत नहीं, संपूर्ण विश्व समुदाय के लिए यह न भूतो न भविष्यति वाली स्थिति है। इसलिए नहीं कह सकते कि एक बार जब देश और नेतृत्व अपनी प्रकृति को पहचान कर आयोजन करता है तो वह एक मानक बन जाता है और आगे ऐसे आयोजनों को और श्रेष्ठ करने की प्रवृत्ति स्थापित होती है। यह मानना होगा कि 144 वर्ष बाद पौष पूर्णिमा पर बुधआदित्य योग जिसे, महायोग युक्त कह रहे हैं, उस महाकुंभ का श्री गणोश उसकी आध्यात्मिक दिव्यता के अनुरूप करने की संपूर्ण कोशिश केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने किया है।

> उसी तरह केवल रिकॉर्ड संख्या में डेढ़ लाख शौचालय बनाए गए बल्कि 10 हजार से अधिक सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई। शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए लगभग 1230 किलोमीटर पाइपलाइन, 200 वाटर एटीएम तथा 85 नलकूप अधिष्ठान की व्यवस्था है। हालांकि हिन्दुओं और सनातनियों के अंदर तीर्थयात्राओं में कष्ट सहने की मानसिकता और संस्कार है।

भारत में दुर्भाग्यवश, राजनीतिक विभाजन इतना तीखा है कि ऐसे महान अवसरों, जिससे केवल भारत और विश्व नहीं संपूर्ण ब्रह्मांड के कल्याण का भाव पैदा होने की आचायरे की दृष्टि है, उसमें भी नकारात्मक वातावरण बनाया जा रहा है। होना यह चाहिए था कि राजनीतिक मतभेद रहते हुए भी संपूर्ण भारत और विशेष कर उत्तर प्रदेश के राजनीतिक दल ऐसे शुभ और मंगलकारी आयोजन पर साथ खड़े होते, आने वालों का स्वागत करते और संघर्ष, तनाव, झूठ, पाखंड, ईर्ष्या, द्वेष, घृणा से भरे विश्व में भारत से शांति की आध्यात्मिक सलिला का मूर्त अमूर्त संदेश विस्तारित होता।

हमारे देश का संस्कार इतना सुगठित और महान है कि नेताओं के वक्तव्यों की अनदेखी करते हुए करोड़ों लोग अपने साधु-संत, आचायरे के द्वारा दिखाए रास्ते का अनुसरण करते हुए जाति, पंथ, क्षेत्र, भाषा, राजनीति सबका भेद भूलकर संगम में डुबकी लगाते, आवश्यक अपरिहार्य कर्मकांड करते आकषर्क दृश्य उत्पन्न कर रहे हैं, अन्यथा समाजवादी पार्टी और उनके नेता जिस तरह के वक्तव्य दे रहे हैं उनसे केवल वातावरण विषाक्त होता। थोड़ी देर के लिए अपनी दलीय राजनीति की सीमाओं से बाहर निकलकर विचार करिए। क्या स्वतंत्र भारत में पूर्व की सरकारों ने ऐसे अनूठे उत्सव या आयोजन को उसके मूल संस्कारों और चरित्र के अनुरूप भव्यता प्रदान करने, संपूर्णता तक पहुंचाने एवं संपूर्ण विश्व को बगैर किसी शब्द का प्रयोग किए भारत के आध्यात्मिक अनुकरणीय शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए इस तरह केंद्रित उद्यम और व्यवस्थाएं किए थे? इसका ईमानदार उत्तर है, बिल्कुल नहीं।

कहने का तात्पर्य यह नहीं कि पूर्व सरकारों ने कुंभ के लिए कुछ किया ही नहीं। लाखों करोड़ों व्यक्ति और संपूर्ण भारत के सारे संत-संन्यासी-साधू-महंत आचार्य दो महीने के लिए वहां उपस्थित हों तो सरकार के लिए उसकी व्यवस्था और अपरिहार्य हो जाती है। सच यह है कि जिस तरह मोदी सरकार और योगी सरकार ने कुंभ को उसकी मौलिकता के अनुरूप वर्तमान देश, काल, स्थिति के साथ तादात्म्य बिठाते हुए कार्य किया वैसा पहले कभी नहीं हुआ। वास्तव में हमारे शीर्ष नेतृत्व में देश और प्रदेश दोनों स्तरों पर एक साथ कभी ऐसे लोग नहीं रहे जिन्हें महाकुंभ या हमारे धार्मिक- सांस्कृतिक-आध्यात्मिक आयोजनों, मुहूतरे, कर्मकांडों का महत्त्व, इसका आयोजन कैसे, किनके द्वारा, किन समयों पर होना चाहिए ना इसका पूरा ज्ञान रहा और न लेने के लिए कभी इस तरह प्रयत्न हुआ। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी संन्यासी हैं और उन्हें इसका ज्ञान है।

उनके मंत्रिमंडल में भी ऐसे साथी हैं जो इन विषयों को काफी हद तक समझते हैं, जिनकी निष्ठा है। निष्ठा हो और संकल्प नहीं हो तो ज्ञान होते हुए भी साकार नहीं हो सकता। आप योगी आदित्यनाथ के समर्थक हों या विरोधी इन विषयों पर उनकी समझ, निष्ठा व संकल्पबद्धता को किसी दृष्टि से नकार नहीं सकते। जब इस तरह की टीम होती है तभी महाकुंभ, अयोध्या या काशी विनाथ अपनी मौलिकता के साथ संपूर्ण रूप से प्रकट होता है। केंद्र का पूरा मार्गदशर्न और उसके अनुरूप सहायता हो तो समस्याएं नहीं आती। 2017 में प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार आने के बाद प्रयागराज में ही 2019 में अर्धकुंभ आयोजित हुआ था और वहां से नया स्वरूप सामने आना आरंभ हुआ। पहली बार लोगों ने केंद्र व प्रदेश का संकल्प देखा। 2019 में पहली बार राज्य सरकार ने 2406.65 करोड़ व्यय किया जिसकी पहले कल्पना नहीं थी। इस बार सरकार की ओर से 5496.48 करोड़ रुपये व्यय अभी तक हुआ और केंद्र ने भी इसमें 2100 करोड़ रुपये का अतिरिक्त सहयोग दिया है। कुंभ के आयोजन के साथ गंगा और यमुना दोनों में शून्य डिस्चार्ज सुनिश्चित करने की कोशिश हुई है। सभी 81 नालों का स्थाई निस्तारण सुनिश्चित करने की तैयारी की गई। यह तो नहीं कह सकते कि गंगा, यमुना और त्रिवेणी संगम का जल शत-प्रतिशत शुद्ध और स्वच्छ हो गया, किंतु अधिकतम कोशिश कर हरसंभव परिणाम तक ले जाने के परिश्रम से हम इनकार नहीं कर सकते। कुंभ को हरित कुंभ बनाने की दृष्टि से पहली बार मोटा-मोटी 3 लाख के आसपास पौधरोपण का आंकड़ा है। उसी तरह केवल रिकॉर्ड संख्या में डेढ़ लाख शौचालय बनाए गए बल्कि 10 हजार से अधिक सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई। शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए लगभग 1230 किलोमीटर पाइपलाइन, 200 वाटर एटीएम तथा 85 नलकूप अधिष्ठान की व्यवस्था है। हालांकि हिन्दुओं और सनातनियों के अंदर तीर्थयात्राओं में कष्ट सहने की मानसिकता और संस्कार है। हमारा चरित्र ऐसा है जहां जो कुछ व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं उसी में अपना कर्मकांडीय दायित्व पूरी करते हैं। किंतु सरकार व्यवस्था करे तो सब कुछ आसान सहज और अनुकूल होता है। आप राजनीतिक रूप से आलोचना करिए किंतु सत्य है कि हमारे राजनीतिक नेतृत्व और नौकरशाही ने कभी ऐसे अवसरों को इस तरह जन-जन तक मीडिया के माध्यम से पहुंचाने और लोगों के अंदर आने की भावना पैदा करने की दृष्टि से विचार ही नहीं किया। टीवी चैनलों पर विहंगम दृश्य देखकर आम लोगों की प्रतिक्रियाएं हैं कि एक बार अवश्य जाना जाकर वहां डुबकी लगानी चाहिए।

महाकुंभ में स्वच्छता के उच्च तकनीकी समाधान

डॉ. जितेंद्र सिंह
(केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, अंतरिक्ष विभाग और परमाणु ऊर्जा विभाग राज्य मंत्री-स्वतंत्र प्रभार)

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ क्षेत्र में सूर्योदय होने के साथ ही महा-आयोजन की व्यापकता और विशालता दिखने लगती है। वहां उपस्थित विशाल मानव समूह की केवल कल्पना कीजिए जहां प्रत्येक व्यक्ति आस्था और भक्ति के सागर में हिलोरें ले रहा है। लेकिन विश्व की इस विस्मयकारी महाघटना में पर्दे के पीछे अथक परिश्रम करने वाले मूक नायक के तौर पर उन्नत अपशिष्ट प्रबंधन प्रौद्योगिकियां काम कर रही हैं। एक भव्य संगीत सिम्फनी के अनाम परिचालकों की तरह ये नवाचार सुनिश्चित करते हैं कि सफाई और स्वच्छता, संगीत के हर सुर-लहरी की तरह पूरी तरह लयबद्ध हो।

महाकुंभ में उच्च तकनीक वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से लेकर प्राकृतिक शुद्धिकरण तालाबों तक, प्रत्येक उपाय पर्यावरण की शुद्धता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। परंपरा और प्रौद्योगिकी का यह सामंजस्यपूर्ण मिश्रण न केवल महाकुंभ के आध्यात्मिक सार को संरक्षित करता है, बल्कि दुनिया भर में भविष्य के बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाले समारोहों के लिए एक मानक भी स्थापित करता है।

एक हलचल भरे शहर की कल्पना करें जो रातोंरात अस्तित्व में आ गया हो, जहां करोड़ों लोग एक भव्य आयोजन के लिए जुटे हों। 45 दिनों के इस विशाल धार्मिक आयोजन में जिसमें अनुमानित तौर पर 40 करोड़ आगंतुक पहुंचे हों, वहां हर दिन उत्पन्न कचरे का प्रबंधन हैरत में डालने वाला है। हालांकि इससे अधिकारी विचलित नहीं हुए और उन्होंने इस कठिन कार्य के लिए भारत के दो प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बार्क) की मदद ली है।

महाकुंभ में उत्पन्न अपशिष्ट दिमाग को चकरा देने वाला है। वहां हर दिन लगभग 16 मिलियन लीटर मल विष्ठा, 240 मिलियन लीटर ग्रे-वाटर (शौचालय को छोड़कर अपशिष्ट जल) और करोड़ों तीर्थयात्रियों द्वारा बड़े पैमाने पर उत्पन्न ठोस अपशिष्ट शामिल हैं। इसके निपटान प्रबंधन के लिए परिष्कृत समाधानों की आवश्यकता पड़ी और तभी उन्नत प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल काम आया।

इनमें से एक हाइब्रिड ग्रेनुलर सीक्वेंसिंग बैच रिएक्टर (एचजीएसबीआर) है, जिसे इसरो और बार्क के सहयोग से विकसित किया गया है। ये उच्च तकनीक की वॉशिंग मशीन जैसा है जो कपड़े साफ करने की बजाय सीवेज का निपटान करता है। इस तकनीक का उपयोग तीन प्रीफैब्रिकेटेड मल विष्ठा ट्रीटमेंट प्लांट (एफएसटीपी) में किया जा रहा है, जो मानव अपशिष्ट को कुशलतापूर्वक संसाधित कर सुनिश्चित करता है कि वातावरण स्वच्छ और सुरक्षित रहे। वहां एक अन्य तकनीक जीओ ट्यूब टेक्नोलॉजी अपनाई जा रही है जो कचरे के नियंत्रण और उपचार में सहायक है। यह सुनिश्चित करती है कि पर्यावरण में केवल स्वच्छ पानी ही छोड़ा जाए। यह एक विशाल चाय बैग की तरह है जो बड़ी मात्रा में तरल अपशिष्ट सोखकर उसे साफ करता है। महाकुंभ में स्वच्छता के लिए इस्तेमाल की जा रही एक अन्य तकनीक बायोरिमेडिएशन है। यह बड़े तालाबों के लाभकारी सूक्ष्मजीवों जैसा है जो प्रदूषकों को विखंडित कर पानी को शुद्ध करता है। इस प्राकृतिक और पर्यावरण अनुकूल विधि को लगभग 75 बड़े तालाबों में एकत्र किए गए ग्रेवाटर में इस्तेमाल की जाएगी ताकि जल को प्रभावी और सुरक्षित रूप से उपचारित किया जाए। उत्तर प्रदेश सरकार ने 7,000 करोड़ रुपये के कुल महाकुंभ बजट में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता दर्शायी है। वहां अपशिष्ट और जल प्रबंधन के लिए 1,600 करोड़ रुपए और खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बुनियादी ढांचे के लिए 316 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह वित्तीय और ढांचागत प्रतिबद्धता आयोजन के दौरान स्वच्छता और साफ-सफाई बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करता है। स्वच्छता उपायों में इन प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल का उद्देश्य महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चिंताओं को कम करना है। वे नदी के जल प्रदूषण को रोकते हैं, अपशिष्ट और सीवेज से संभावित स्वास्थ्य जोखिमों को कम करते हैं, और बड़े पैमाने पर लोगों के एकत्रित होने के पारिस्थितिकी नुकसान में कमी लाते हैं। अपशिष्ट प्रबंधन परिचालन रणनीति में मैनुअल हैंडलिंग को कम से कम करना, उन्नत तकनीकों का उपयोग कर स्रोत-स्तरीय अपशिष्ट पृथक्करण पर जोर देना और व्यापक निपटान तंत्र को लागू करना शामिल है। इसके अतिरिक्त वहां अन्य आरंभिक उपायों में 1 लाख 45 हजार पोर्टेबल शौचालयों की स्थापना, निरंतर सफाई के लिए बड़ी संख्या में सफाई कर्मियों की तैनाती, पर्याप्त चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था और एक व्यापक अपशिष्ट संग्रह और प्रबंधन बुनियादी ढांचे शामिल हैं। ये उन्नत प्रौद्योगिकियां बड़े पैमाने पर धार्मिक समारोहों के प्रबंधन में व्यापक बदलाव दर्शाते हैं। वे पर्यावरणीय स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन, अल्प स्वास्थ्य जोखिम, न्यूनतम पारिस्थितिक व्यवधान और कुशल संसाधन उपयोग के उपाय प्रदान करते हैं। यह महाकुंभ 2025 में बड़े पैमाने पर धार्मिक समागमों से जुड़ी जटिल प्रचालनतंत्र और पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रबंधन में भारत की तकनीकी कौशल का दस्तावेज है। यह एक दीप्तिमान उदाहरण है कि प्रौद्योगिकी और परंपरा सबके लिए कैसे एक स्वच्छ, स्वस्थ भविष्य निर्मित कर सकते हैं।

भारतीय समृद्धि और जीवन रक्षा को संबल

आईएमडी ने मौसम-निगरानी और विज्ञान-आधारित मौसमीय एवं जलवायु पूर्वानुमानों के माध्यम से, राष्ट्र की सेवा करने में हर संभव प्रयास किया है। इसकी गतिविधियों ने कृषि उत्पादन बढ़ाने, जल संसाधनों का प्रबंधन, विमानन सुरक्षा सुनिश्चित करने और आपदाओं की ताब कम करने में मदद की है।

रंजन केलकर

कई सरकारी संगठनों का काम वैज्ञानिक अनुसंधान करना है और कई अदारे सीधे तौर पर जन-कल्याण से जुड़े काम करते हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) इस मायने में अद्वितीय है कि इसके हिस्से दोनों जिम्मेवारियां हैं। एक और खासियत जो आईएमडी को अन्य संगठनों से अलग करती है, वह यह है कि इसके लिए भविष्य की सटीक भविष्यवाणी देना एक अनिवार्यता है। यह अवधि अगले कुछ घंटों से लेकर दिनों, महीनों, वर्षों या दशकों तक हो सकती है और कार्यक्षेत्र की परिधि का पैमाना एक हवाई अड्डे या गांव से लेकर एक जिले, राज्य, देश, महाद्वीप या महासागर तक होता है।

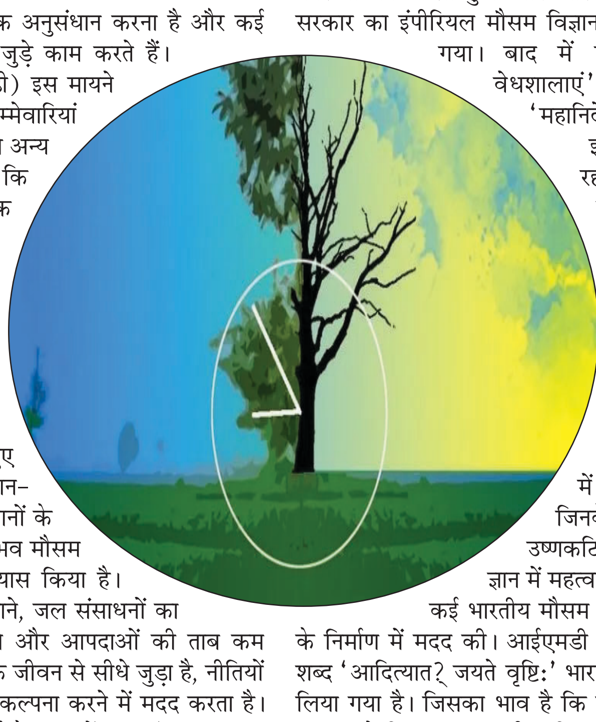

15 जनवरी, 1875 को स्थापित हुए आईएमडी ने मौसम-निगरानी और विज्ञान-आधारित मौसमीय एवं जलवायु पूर्वानुमानों के माध्यम से, राष्ट्र की सेवा करने में हर संभव मौसम विज्ञान विधा का उपयोग करने का प्रयास किया है। इसकी गतिविधियों ने कृषि उत्पादन बढ़ाने, जल संसाधनों का प्रबंधन, विमानन सुरक्षा सुनिश्चित करने और आपदाओं की ताब कम करने में मदद की है। आईएमडी लोगों के जीवन से सीधे जुड़ा है, नीतियों को प्रभावित करता है और भविष्य की कल्पना करने में मदद करता है। वास्तव में, आईएमडी ने अपने 150 वर्षों के सफर में एक लंबा रास्ता तय किया है।

पिछले दशक में, विशेष रूप से स्थान एवं समय के तमाम पैमानों पर, आईएमडी के पूर्वानुमानों के दायरे और सटीकता में एक उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राडार, उपग्रहों और सुपर कंप्यूटरों का उपयोग कर बनाए गए उन्नत भविष्यवाणी मॉडल आईएमडी की तकनीकी-वैज्ञानिक बुनियाद में विस्तार होने का स्पष्ट परिणाम है। उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों की वजह से होने वाला जानी नुकसान कई हज़ारों की संख्या से घटकर लगभग शून्य हो गया है। सूखा और बाढ़, जो कि मानसून की बारम्बार घटने वाली प्रवृत्ति है, अब पूरी तरह से प्रबंधनीय हो गए हैं। भारत के ब्रिटिश शासकों को वेधशालाओं के प्रति स्वाभाविक आकर्षण था : खगोलीय, भूकंपीय, भूचुंबकीय और ज़ाहिर है, मौसम संबंधी। आईएमडी के अस्तित्व में आने से लगभग 80 साल पहले भी, स्थानीय सरकारों, रेलवे और बंदरगाह प्राधिकरण ने मौसम रिकॉर्ड करने के लिए अपनी वेधशालाएं स्थापित कर रखी थीं।

ऐसे कई व्यक्ति भी थे जिनके लिए खगोल विज्ञान और मौसम विज्ञान एक गंभीर शौक था। इनमें सिविल नागरिक और सेना के अधिकारी, डॉक्टर, प्रोफेसर, भूगोलवेत्ता, नाविक, सर्वेक्षक और मिशनरी शामिल थे, जो यत्नपूर्वक मौसम संबंधी रिकॉर्ड सहेजकर रखते थे। अपवाद स्वरूप, भारत की सबसे पहली वेधशालाओं में से एक, त्रिवेंद्रम में, अंग्रेजों ने नहीं बल्कि त्रावणकोर के महाराजा द्वारा स्थापित की गई थी। इसलिए, भारत इस मामले में भाग्यशाली है कि उसके पास दो शताब्दियों तक का मौसम संबंधी रिकॉर्ड मौजूद है, जो जलवायु परिवर्तन अध्ययन के लिए एक मूल्यवान भंडार है। वर्ष 1875 तक, भारत में 86 मौसम संबंधी वेधशालाएं खुल चुकी थीं और अब वक्त था उन्हें एक एजेंसी के तहत लाने का। भारत सरकार ने इसका नामकरण 'भारत मौसम विज्ञान विभाग' करने का फैसला लिया, जिसका कार्यक्षेत्र क्वेटा से रंगून और लेह से कोलंबो तक फैला हुआ था। आरंभ में इसके नेतृत्व के लिए 'भारत सरकार का इंपीरियल मौसम विज्ञान रिपोर्टर' नामक पद सृजित किया गया। बाद में इस पदनाम को 'महानिदेशक, वेधशालाएं' और फिर आगे चलकर यह 'महानिदेशक, मौसम विज्ञान' हुआ।

इस विभाग की एक खासियत यह भी रही कि इसका कामकाज मालिक-गुलाम वाले औपनिवेशिक ढंग से नहीं चला, भारतीय वैज्ञानिकों की भर्ती 1885 से ही आईएमडी में होने लगी थी और 1920 तक अधिकांश वरिष्ठ पदों पर भारतीय ही आसीन थे। भारत को स्वतंत्रता मिलने से भी काफी पहले, आईएमडी का मुखिया एक भारतीय रह चुका था। यूं आईएमडी में कई ब्रिटिश मौसम विज्ञानी भी थे। जिनके उल्लेखनीय काम ने मानसून और उष्णकटिबंधीय चक्रवातों को बूझने में हमारे ज्ञान में महत्वपूर्ण वृद्धि की। आईएमडी में कार्यरत कई भारतीय मौसम विज्ञानियों ने नए वैज्ञानिक संस्थानों के निर्माण में मदद की। आईएमडी के प्रतीक चिन्ह में शामिल संस्कृत शब्द 'आदित्यात्‌ जयते वृष्टि:' भारत के सदियों पुराने ज्ञान साहित्य से लिया गया है। जिसका भाव है कि जब तक सूरज चमकता रहेगा, तब तक हमारे लिए मानसून की बारिश होती रहेगी। यह तथ्य है कि प्रत्येक मानसून में यह अपने काम को अंजाम देने में कभी नहीं चूका। यह बढ़िया रहा कि 2024 के मानसून के दौरान पूरे देश में सकल वर्षा औसत से 8 प्रतिशत अधिक रही, और यह आंकड़ा आईएमडी के पूर्वानुमान के काफी करीब था। यह भी महत्वपूर्ण तथ्य है कि 2017 से, मानसून की वर्षा सामान्य रही है, जिसका अर्थ है कि यह दीर्घकालिक औसत के प्लस-माइनस 10 प्रतिशत के मार्जिन के भीतर लगातार रही है। अच्छे या संतोषजनक मानसून की इस श्रृंखला में वर्ष 2024 आठवां वर्ष था। इसकी सापेक्षता में, भारत का वार्षिक खाद्यान्न उत्पादन 2017 में 275 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़कर 2023 में रिकॉर्ड तोड़ 330 मिलियन मीट्रिक टन छू गया और 2024 में यह आंकड़ा भी पार होने की उम्मीद है। देश की खाद्य सुरक्षा के दृष्टिकोण से, यह वृद्धि बहुत महत्वपूर्ण है। निश्चित रूप से इस तथ्य को रेखांकित करती है कि मानसून की पकड़ भारतीय कृषि और इसके माध्यम से समग्र अर्थव्यवस्था पर बहुत अधिक है।

भारतीय मानसून पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव सूक्ष्म स्तर पर ज्यादा साफ दिखाई दे रहा है। बादल फटना, अत्यधिक बारिश, भूस्खलन, बिजली गिरना और शहरी बाढ़ जैसी स्थितियां निरंतर बढ़ रही हैं, जिससे फसलों और संपत्ति की भारी हानि और जान-माल का नुकसान हो रहा है। आईएमडी को लक्षित चेतावनियों के माध्यम से इन मुद्दों से निपटने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में, ग्राम पंचायत स्तर पर पूर्वानुमान देने की इसकी योजना स्वागत योग्य है। हाल ही में स्वीकृत और अत्यधिक महत्वाकांक्षी 'मिशन मौसम' नामक कार्यक्रम आईएमडी को पुन: सुसज्जित करने और भविष्य के लिए तैयार होने का एक शानदार अवसर प्रदान करेगा।

लेखक भारतीय मौसम विभाग के पूर्व निदेशक हैं।

विधानसभा चुनाव से पहले टीएमसी के भीतर खेला

शंकर जालान

खेला होबे', खेला होबे', यानी खेल होगा, खेल होगा? वाले जिस लोकप्रिय चुनावी नारे के बलबूते तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 2021 (पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव) और 2024 के लोक सभा चुनाव में भाजपा समेत तमाम विरोधी दलों को धूल चटाते हुए चुनावी रण से बाहर का रास्ता दिखाया था, मौजूदा समय में वही खेला' टीएमसी के भीतर होते दिख रहा है।

बुआ (ममता बनर्जी) और भतीजे (अभिषेक बनर्जी) के बीच इन दिनों जो चल रहा है, उसे देखते हुए लगता है कि जल्द ही टीएमसी में भी कुछ बड़ा %खेला' होने वाला है।

वैसे कई दफा और कई मुद्दों पर बुआ-भतीजे में मतभेद की खबरें आती रही हैं, लेकिन बीते दिनों अभिषेक के करीबी और विश्वासपात्र माने जाने वाले दो नेताओं (पूर्व सांसद डॉ. शांतनु सेन और अराबुल इस्लाम) को बाहर का रास्ता दिखा कर ममता ने बताने की कोशिश की है कि पार्टी में सर्वेसर्वा केवल वे ही हैं। टीएमसी के कुछ नेता यह जरूर चाहते हैं कि भुआ-भतीजे का विवाद जल्द समाप्त हो जाए लेकिन विपक्ष विशेषकर भाजपा चाहती है कि भुआ-भतीजे के बीच दूरियां जितनी बढ़ेंगी, आगामी विधानसभा चुनाव में जीत उसके उतनी ही करीब होगी। मालूम हो कि 2026 में पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए चुनाव होने हैं।

गत लोक सभा चुनाव में राज्य में मिली करारी हार के बाद भाजपा अभी तक सूबे में अपना संगठन मजबूत नहीं कर पाई है। प्रदेश के भाजपा नेता चाहते हैं कि उनका संगठन चाहे मजबूत हो न हो, लेकिन टीएमसी का संगठन जरूर कमजोर हो जाए। सांगठनिक ताकत के तौर पर वाम मोर्चा और कांग्रेस भी नये सिरे से अपनी शुरु आत के पक्ष में हैं। 2011, 2016 और 2021 में जीत यानी हैट्रिक लगाने वाली टीएमसी अपना घर ठीक से नहीं चला पा रही है। ममता पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी की मुखिया हैं, तो अभिषेक पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद हैं। सभी जानते हैं कि ममता के बूते ही अभिषेक को पहचान मिली, कई दफा सांसद बनने का मौका मिला और पार्टी में महासचिव जैसा महत्त्वपूर्ण पद भी, लेकिन अब अभिषेक की महत्त्वाकांक्षा और पार्टी में दखलअंदाजी बढ़ गई है, जो ममता को रास नहीं आ रहा। अंदरखाने सूत्रों ने बताया कि इन दिनों भुआ-भतीजे के रिश्ते में पहली वाली मधुरता नहीं है। दोनों के बीच कई बार मतभेद और रार हो चुकी हैं, लेकिन अब लड़ाई सतह पर आती नजर आ रही है। भुआ-भतीजे के मनमुटाव का असर पार्टी की सेहत पर न पड़े, इसे लेकर टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं के माथे पर चिंता की लकीरें दिख रही हैं। सूत्रों के मुताबिक टीएमसी दो खेमे में बंट गई है। एक खेमा है ममता बनर्जी का, जिसमें वे नेता शामिल हैं, जो टीएमसी के संघर्ष के दिनों से ममता के साथ हैं। दूसरा खेमा है अभिषेक का जिसमें अधिकतर नेता ऐसे हैं जिन्होंने टीएमसी के एक मुकाम पर पहुंचने के बाद %जोड़ाफूल' (टीएमसी का चुनाव चिन्ह) थामा था। ऐसे में टीएमसी नये-पुराने नेताओं में बंटती नजर आ रही है। टीएमसी में महीनों से विवाद जारी है, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के बीच मतभेदों का कोई अंत नजर नहीं आ रहा है। पहले अभिषेक कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के कथित रेप और हत्या के मामले में राज्य सरकार के रवैए की आलोचना करने वाले कलाकारों के बहिष्कार के मुद्दे पर पार्टी के कुछ नेताओं से असहमत थे, लेकिन अब ममता ने अपने भतीजे के करीबी माने जाने वाले मंत्रियों को आड़े हाथों लिया है। भुआ-भतीजे के मनमुटाव का असर पार्टी की सेहत और सूबे की राजनीति पर कितना पड़ेगा, यह जानने के लिए इंतजार करना पड़ेगा लेकिन फिलहाल इतना कहा जा सकता है कि भुआ-भतीजे के सुर नहीं मिलने से संगठन के चुनाव में दिक्कतें आ रही हैं।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

विशाल ज्वेलर्स
BIS - 916 100% Hallmarked
आभूषण लेना तो हॉलमार्क लेना
नया सराफा, जवाहर चौक, दुर्ग
मो.-9827906406

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

KJ कांतिलाल ज्वेलर्स
सोने, चांदी एवं गोल्ड जेवरों के निर्माता एवं विक्रेता
सदर बाजार, दुर्ग, 0788-2210274, 4038274
40, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, फोन: 4060274
Kantilal_jewel@yahoo.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

खास खबर

निदान-1100 में करें शिकायत दर्ज, निगम करेंगी 24 घंटो में निराकरण

दुर्ग। नगर निगम प्रशासन ने निदान–1100 में शहर से ऑनलाइन दर्ज समस्त नागरिकों से अपील, आस पास के क्षेत्रों में कचरा या गंदगी दिखने पर करें निदान 1100 पर शिकायत करें।कलेक्टर/निगम प्रशासक ऋचा प्रकाश चौधरी व आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा शहर के समस्त आम नागरिकों से अपील है कि, वार्डों में अपने आस पास के रहवासी क्षेत्रों, व्यावसायिक क्षेत्रों, सार्वजनिक स्थानों आदि पर कचरा या गंदगी दिखने पर तुरंत नगर निगम के टोल फ्री नंबर निदान 1100 पर शिकायत दर्ज करे,जिसका 24 घंटों के अंदर समाधान किया जाएगा। और इस प्रकार अपने शहर को स्वच्छ बनाने में सहयोग प्रदान करेंगें। निदान 1100 में साफसफाई सड़क, बिजली, पानी, साफ-सफाई सहित अन्य समस्याओं का समय–सीमा में निराकरण कर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की ग्रेडिंग में ए ग्रेड हासिल कर रही है। निगम प्रशासन ने निदान–1100 में ऑनलाइन शिकायत प्राप्त होने के बाद न केवल निर्धारित समय सीमा में निराकरण किया, बल्कि कलेक्टर/निगम प्रशासक ऋचा प्रकाश चौधरी व आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार निराकरण के बाद शिकायतकर्ता के फोन नंबर पर संपर्क कर फीडबैक लेने का कार्य भी किया जाएगा।

सेल द्वारा आईएनएस नीलगिरी के लिए विशेष स्टील की सम्पूर्ण मात्रा की आपूर्ति

भिलाई। 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' की भावना और दृष्टि को मजबूत करने के अपने संकल्प को जारी रखते हुए, भारत की महारत्न और सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े स्टील निर्माता, स्टील अथॉरिटी ऑफइंडिया लिमिटेड (सेल) ने आईएनएस नीलगिरी (प्छै छपसहपतप) के लिए विशेष स्टील की पूरी मात्रा, 4,000 टन, की आपूर्ति की है। इस शक्तिशाली पोत को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 15 जनवरी, 2025 को भारतीय नौसेना में कमीशन किया गया है। सेल द्वारा सप्लाई किये गए विशेष स्टील में डीएमआर 249ए ग्रेड की हॉट रोल्ड (एचआर) शीट्स और प्लेट्स शामिल है। यह पूरी आपूर्ति सेल के बोकारो, भिलाई और राउरकेला स्टील प्लांट से की गई है।

विधायक ललित चंद्राकर की पहलः रिसाली निगम को बीएसपी से मिला 151 एकड़ जमीन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। उपाध्यक्ष राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा क्षेत्र विकास प्राधिकरण एवं विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चंद्राकर की विशेष पहल पर नगर पालिक निगम रिसाली को 151 एकड़ जमीन मिली है। कई दौर हुई बैठक के बाद गुरूवार को जमीन हस्तांतरण बैठक में विराम लगा। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी और संयंत्र प्रबंधन की ओर से मुख्य प्रबंधक उत्पल दत्त ने ओ.एम.यू. मे हस्ताक्षर किए।

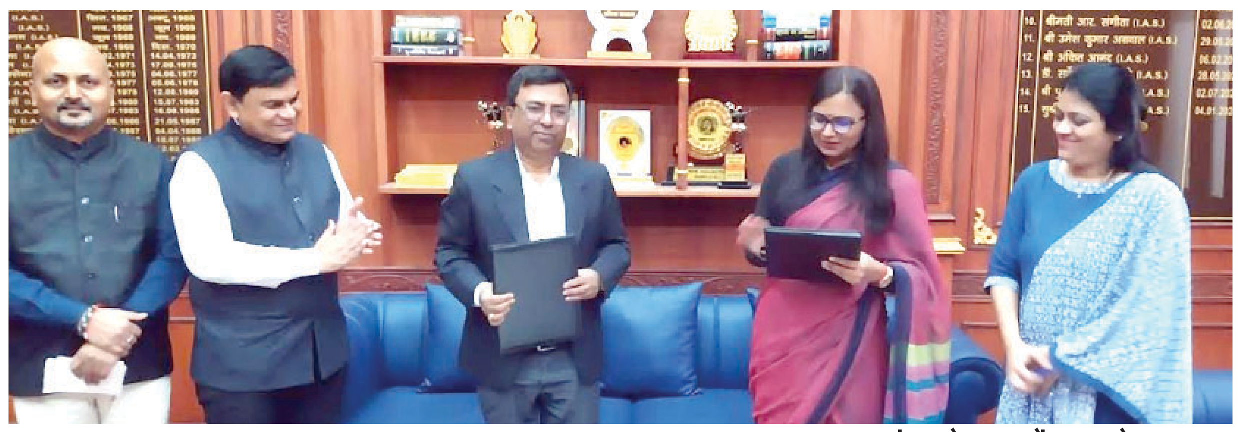

खास बात यह है कि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर एक वर्ष से लगातार जमीन हस्तांतरण के लिए प्रयास कर रहे थे। कलेक्टर की मध्यस्थता में बैठक भी हुई।

परिणाम स्वरूप गुरूवार को कलेक्टोरेट में सुबह 11 बजे ओ.एम.यू. हस्ताक्षर के बाद प्रतिया प्रशासन और प्रबंधन ने एक दूसरे को दी। इस अवसर पर नगर पालिक निगम रिसाली की आयुक्त मोनिका वर्मा समेत भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन पवन कुमार, सजीव, सुरजीत मलिक व डी.जी.एम. आर. के. गर्ग विशेष रूप से उपस्थित थे।

गुरूवार को जमीन हस्तांतरण संबंधी हुए एम.आर.यू. वाले जमीन पर बसाहट है। वर्षो से बी.एस.पी. के इस जमीन पर लोग आवास बनाकर निवासरत है। जमीन का मालिकाना हक नहीं होने की वजह से यहां निवासरत लोगों को आवास जैसी अन्य सुविधाएं नहीं मिल रही थी। वही दूसरी ओर इन क्षेत्रों में विकास कार्य करने नगर पालिक निगम को भिलाई इस्पात संयंत्र पर निर्भर रहना पड़ता था।

सांसद ने सदन में उठाए थे सवाल

भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा जमीन हस्तांतरण प्रक्रिया विलंब करने पर दुर्ग सांसद विजय बघेल ने लोकसभा सत्र के प्रश्नकाल में रिसाली निगम के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। सांसद के प्रश्नकाल के बाद ही बी.एस.पी. प्रबंधन हरकत में आई। सांसद ने सेल से रिसाली निगम क्षेत्र में आने वाले रिक्त भूमि को भी हस्तांतरित करने की मांग की है। रिक्त भूमि मिलने से रिसाली निगम के पास अपना कार्यालय, ऑडिटोरियम, नालंदा परिसर, अस्पताल, कॉलेज होगा।

जाने कहा कितनी जमीन
स्टेशन मरोदा – 25.68 एकड़
मौहारी बगीचा – 12.09 एकड़
नेवई पुराना – 21.56 एकड़
नेवई भाठा – 7.03 एकड़

पूर्व में संयंत्र ने दिया था 290 एकड़

जनवरी 2022 में 32 वर्ष पुराने ओ.एम.यू. के आधार पर 290 एकड़ जमीन भिलाई एवं रिसाली निगम को संयुक्त रूप से दिया था। इसमें से 153.70 एकड़ जमीन रिसाली निगम सीमा क्षेत्र में है। उपरोक्त भूमि भी बसाहट वाला है।

कृष्णा यादव का सपना हुआ साकारः परिवार के साथ पहुंचे खुद के आवास पर, खुशी से आंखों में आए आंसू

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत बैगापारा निवासी कृष्णा यादव पिता सीताराम यादव उम्र 53 वर्ष की खुशी का ठिकाना नही रहा।पूरा हो चुके खुद के पीएम आवास में उन्होंने पूरे परिवार के साथ कदम रखा तो खुशी के कारण आंखों में आंसू आने लगे।उन्होंने बताया कि जिंदगी भर कवेलू के मकान में रहें है। कृष्णा यादव ने प्रधानमंत्री आवास के तहत अपना खुद का पक्का सुंदर आशियाना बनवा लिया।

गरीबी और शरीर की लाचारी से तंग आकर मैं हिम्मत हार चुका था, मेरा एक पैर पूरी तरह से शून्य है. ऐसी तंगी हालत में कच्चे मकान में रहना बहुत ही दुखद प्रतीत होता था,शरीर की लाचारी, पैसे की तंगी, परिवार की जिम्मेदारी, भाई की मजदूरी ऊपर से कच्चा मकान बारिश की दिनों में रहना दूर्लभ हो गया था। छानी वाला खप्पर का मकान होने की वजह से हर साल रिपेयरिंग करवाने का झंझट के लिए अपनी लाचारी एवं मज़बूरी पर आंसू बहाया करता था। खप्पर वाले मकान में बारिश के दिनों में पानी टपकता रहता था इस स्थिति में परिवार के साथ में रहना मज़बूरी थी, हमेशा अपनी किस्मत को कोसता था।

मोहल्ले के दोस्तों से इस बात की जानकारी मिली कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनाया जा सकता है। तब वार्ड के पार्षद से मुलाकात कर जानकारी लिया कि किस तरह से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनवाया जा सकता है। नगर निगम कार्यालय पहुंचा तो वहां के अधिकारियां ने सारे दस्तावेज एवं आवश्यक कार्रवाई के बारे में जानकारी दिया। जैसे-जैसे मुझे बताया गया मैं उसे सारे दस्तावेज भरकर दे दिया। निगम के अधिकारियों ने मेरे घर का निरीक्षण किया तथा समय-समय पर मुझे मार्गदर्शन करते रहे। प्रधानमंत्री आवास की सूची में नाम आने के साथ राशि मेरे खाते में आना शुरू हो गया और मकान बनना प्रारंभ हो गया।

इस तरह से मेरा मकान बनकर तैयार हो गया। मैं कभी सपने में नहीं सोचा था कि मेरा पक्का मकान होगा जो मेरे मॉ–बाप, दादा नहीं बनवा सके उसे आज सरकार ने बनवा दिया। मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का बहुत-बहुत शुक्रगुजार हूं जिनके सहयोग से मुझे एक पक्का ओर सुंदर मकान मिल गया।

बीएसपी के प्लेट मिल विभाग में तनाव प्रबंधन कार्यशाला आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन (मिल्स जोन–3) द्वारा प्लेट मिल कॉन्फ्रेंस हॉल में 15 जनवरी 2025 को तनाव प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र के मनोचिकित्सा विभाग के विशेषज्ञ डॉ. गणेश मंथापुरवार ने कर्मचारियों का मार्गदर्शन किया।

डॉ. मंथापुरवार ने प्रमुख रूप से कार्यस्थल एवं व्यक्तिगत जीवन में बेहतर तालमेल बना कर तनाव को नियंत्रित रखने के महत्व को रेखांकित किया। सत्र में कर्मचारियों को दैनिक जीवन में तनाव कम करने के लिए व्यावहारिक रणनीतियाँ अपनाने हेतु मार्गदर्शन दिया गया। कार्यशाला में मानसिक तनाव के कारणों की पहचान, तनाव की चेतावनी एवं संकेत का आंकलन तथा प्रभावी ढंग से उसके दुष्प्रभावों को कम करने आदि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई।

महाप्रबंधक सी पद्मनाभन ने कार्यशाला के स्वागत उद्बोधन में कार्यस्थल में स्वस्थ मानसिक अवस्था के महत्व को रेखांकित किया। वहीं महाप्रबंधक हेमंत कुमार बहुरुपी ने अपने संबोधन में कर्मचारियों के कल्याण एवं बेहतर मानसिक स्थिति को बनाये रखने की दिशा में निरंतर प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

रिसाली में वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट सर्वे करने बनेगी 5 विभाग की टीम, कलेक्टर पहुंची मरोदा डेम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली के नागरिकों को पेयजल उपलब्ध कराने बनी योजना का अब सर्वे होगा। सर्वे करने 5 विभाग के अधिकारियों की टीम बनेगी। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने टीम तीन दिवस के भीतर बनाने निर्देश दिए है।

गुरूवार शाम कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी सीधे मरोदा डेम पहुंची। उन्होंने मरोदा डेम के ओवरफ्लो लाइन पर हुए अतिक्रमण समेत रिसाली के नागरिकों को पेयजल उपलब्ध कराने बनी योजना की जानकारी ली। उन्होंने संयंत्र के मरोदा डेम का निरीक्षण करते निर्देश दी है कि भिलाई इस्पात संयंत्र के, रिसाली निगम के कार्यपालन अभियंता, सिचाई विभाग व पी.एच.ई. विभाग के अधिकारी संयुक्त रूप से सर्वे करे। कलेक्टर के भ्रमण कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे, प्रभारी सहायक अभियंता अखिलेश गुप्ता, प्रभारी उप अभियंता गोपाल सिन्हा, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी बृजेन्द्र परिहार उपस्थित थे। नगर पालिक निगम रिसाली के गठन पश्चात शासन ने महाविद्यालय भवन, ऑडिटोरियम, नालंदा परिसर, अस्पताल भवन स्वीकृत किया है। जमीन नहीं होने की वजह से निर्माण कार्य अधर में है। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने रिसाली निगम क्षेत्र में प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण भी की। हालांकि प्रस्तावित स्थल भिलाई इस्पात संयंत्र के क्षेत्राधिकार में है।

जिला इनक्यूबेशन हब- जिले ने क्षेत्रीय उद्यमिता के लिए दूरदर्शी लक्ष्यों के साथ राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस मनाया

भारत के आर्थिक विकास नवाचार और रोजगार सृजन में स्टार्टअप के महत्वपूर्ण योगदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला इनक्यूबेशन हब, टीआईएसएएस इनक्यूब फाउंडेशन (टीआईएफ) और दुर्ग जिला प्रशासन की एक संयुक्त पहल से आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में शिक्षाविदों, छात्रों, सरकारी अधिकारियों और हब में कार्यरत उद्यमियों का एक जीवंत मिश्रण एक साथ आया, जिसने क्षेत्र की बढ़ती उद्यमशीलता की भावना को उजागर किया।

कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने उद्यमशीलता के क्षेत्र में नवाचार और सतत विकास को बढ़ावा देने में हब की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत के आर्थिक विकास, नवाचार और रोजगार सृजन में स्टार्टअप के महत्वपूर्ण योगदान का सम्मान करने लिए 16 जनवरी 2025 को

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस मनाया जा रहा है। नवाचार, रोजगार सृजन और तकनीकी उन्नति में स्टार्टअप की महत्वपूर्ण भूमिका है। मनुष्य जीवन की मूलभूत आवश्यकता रोटी, कपड़ा और मकान है। प्रदेश के ग्रामीण व दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति तक सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा पेयजल जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं प्राप्त हो रही है, किंतु पर्याप्त आमदानी प्राप्त नही हो रही है। आर्थिक रूप से सक्षम व अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए उद्यमशीलता को बढ़ावा देना होगा और इसके लिए युवाओं को आगे आना होगा। यदि कोई युवा या व्यक्ति उद्यमिता के क्षेत्र में नवाचार करने के इच्छुक हैं तो उन्हें शासन व प्रशासन की ओर से हर संभव मदद दी जाएगी। यदि आप उस क्षेत्र में असफल भी होते हैं तो निराश होने की जरूरत नही है। असफलता हमारी कमजोरी दिखाती है। उन्हें दूर कर हम भविष्य में सफल हो सकते हैं।

नगर पालिका निगम भिलाई आयुक्त श्री राजीव कुमार पांडे ने स्थानीय स्टार्टअप का समर्थन करने और क्षेत्र के आर्थिक ढांचे में उद्यमशीलता को एकीकृत करने के महत्व को रेखांकित करते हुए अपने विचार साझा किए। इस दौरान प्रोफेसर सत्यजीत मजूमदार ने स्टार्टअप और उद्यमिता पर अपना दृष्टिकोण साझा किया। सुजय दीक्षित, सीईओ- टीआईएसएएस इनक्यूब फाउंडेशन ने डिस्ट्रिक्ट इनक्यूबेशन हब के विजन को साझा किया। इस कार्यक्रम में हब के सहयोगात्मक प्रयासों को प्रदर्शित किया गया। दुर्ग के उद्योगों और इसके निवासियों के विकास को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण किया गया। डिस्ट्रिक्ट इनक्यूबेशन हब की स्थापना दुर्ग जिले व यहां निवासरत लोगों के विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए सभी प्रकार के स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए किया गया है। हब का उद्देश्य स्थानीय नवाचार को बढ़ावा देना, रोजगार सृजन को बढ़ावा देना और महिलाओं और कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों को सशक्त बनाना है। स्टार्टअप कृषि, हस्तशिल्प और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में व्यवसायों के लिए सलाह और बुनियादी ढाँचा प्रदान करना। शिक्षा जगत के साथ नवाचार और उद्यमशीलता की सोच की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी करना है।

निगम भिलाई के 42 नियमित कर्मचारियों का उद्यान विभाग में ड्यूटी लगाई गई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने सर्वप्रथम सभी विभागो, जोन कार्यालयों से कर्मचारियो की जानकारी मंगाई। उसके पश्चात पूर्व जारी आदेश में आशिक संशोधन करते हुए नगर निगम भिलाई में कार्यरत 42 नियमित सफाई कर्मचारियो को उद्यानों की साफ-सफाई, रखरखाव, पानी डालने आदि कार्यो हेतु उद्यान विभाग में पदस्थापित किये गये। इसमें से 17 कर्मचारी मुख्य कार्यालय, 4 जोन–1 नेहरू नगर, 2 जोन–2 वैशाली नगर, 7 जोन–3 मदर टेरेस नगर, 2 जोन–4 शिवाजी नगर खुर्सीपार एवं 10 कर्मचारी जोन–5 सेक्टर 6 से लेकर उद्यान विभाग में पदस्थ किये गये। सभी कर्मचारियो का मूल पद सफाई कामगार है। ये मुख्य कार्यालय एवं जोन कार्यालय के विभिन्न कार्यो में संलग्न थे।

नगर निगम भिलाई में प्रमुख रूप से 150 से

अधिक उद्यान है। जिसकी साफ-सफाई, रखरखाव, पानी डालना, व्यवस्थित रखना, खाद डालना, झाड़ियो की कटाई–छटाई करना आदि प्रमुख कार्य है। इन्ही सभी के माध्यम से ही उद्यानों को साफ-सुथरा, सुन्दर एवं हरा–भरा रखा जा सकता है। आयुक्त पाण्डेय ने उद्यान अधिकारी तिलेश्वर कुमार साहू को निर्देशित किये है कि इन कर्मचारियो के माध्यम से उद्यानों को व्यवस्थित किया जाए, उसकी मानिटरिंग भी की जाए। पांचो जोन आयुक्त को भी निर्देश किये है कि सभी उद्यानों में पानी, पाईप एवं लाईट की व्यवस्था सुदृढ़ किया जाए। बिना पानी के उद्यानों को हरा–भरा नहीं रखा जा सकता है। किसी प्रकार की आवश्यकता हो तो आयुक्त के संज्ञान में लाए उसे यथा संभव पूर्ण किया जाएगा।

स्थानीय निवासियों का भी मांग था, कि उनके क्षेत्र के उद्यानों को हरा–भरा रखने के लिए कर्मचारी लगाया जाये। निगम भिलाई का यह भी उददेश्य है कि यदि कोई संस्था, बैंक, सोसायटी, कंपनी, स्थानीय निवासी किसी भी उद्यान को स्वयं के व्यय से रखरखाव करना चाहते है। तो निगम से अनुबंध करके ले सकते है, उसमें अपनी संस्था का प्रचार-प्रसार, विज्ञापन बोर्ड आदि भी कर सकते है। कुछ उद्यानों को दिया भी गया है, नागरिक सहभागीता से उद्यानों का रखरखाव करने का अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में उद्यान अधिकारी से संपर्क करके आवेदन कर सकते है।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के शिविरों का आयोजन

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत रैपिड असेसमेंट सर्वे शुरू किया जा रहा है। इस योजना के तहत 16 जनवरी से नगर निगम क्षेत्र के 60 वार्डों में घर घर जाकर जहां नागरिकों को योजना से लाभ,आवेदन प्रक्रिया और अन्य जानकारी दी जाएगी। जिला कलेक्टर / निगम प्रशासक ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश एवं कमिश्नर सुमित अग्रवाल के मार्गदर्शन में अधिकारियों और कर्मचारियों को विभिन्न वार्डों में ड्यूटी पर लगाया गया है। शिविर का आयोजन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होगा।

खास खबर...

नि:स्वार्थ कर्म से ही जीवन सफल होगा: टंक राम वर्मा

रायपुर। राजस्व मंत्रीटंक राम वर्मा तिल्दा विकासखंड के ग्राम सगुनी में निषाद समाज द्वारा आयोजित गुहाराम निषाद जयंती में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने राम भक्त गुहा राज को नमन करते हुए कहा कि नि:स्वार्थ कर्म ही जीवन को सद्गति दिला सकता है। रामायण के पात्र निषाद राज, शबरी, जटायु आदि के कार्यों से हमे प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने सगुनी के निषाद समाज भवन के आहाता निर्माण के लिए 5 लाख रुपए तथा खैरखूँट निषाद समाज भवन में शौचालय निर्माण के लिए 2 लाख रुपए देने की घोषणा की। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि राम के चरित्र को जीवन के सभी रुपों में देखा जा सकता है। भगवान श्रीराम ने मानव जीवन मे अनेक कार्यों से समाज के लिए आदर्श प्रस्तुत किया है। उनके आदर्शों को कोई भी आत्मसात कर समाज और जीवन को अच्छा बना सकता है। सफल जीवन के लिए नि:स्वार्थ कर्म महत्वपूर्ण है। राम के भक्त और सेवक गुहा राज नि:स्वार्थ कर्म करने के प्रेरणा स्त्रोत है। आज के समय मे मानवता की सेवा ही परम धर्म है। उन्होंने नव जीवन मे प्रवेश करने वाले वर-वधु को आशीर्वाद देने के साथ-साथ प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में निषाद समाज के प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

जल जीवन मिशन के तहत मांडरादरहा और डब्बीपानी में मनाया गया हर घर जल उत्सव

कांकेर। मुख्यमंत्री के मंशानुरूप प्रत्येक घरों में जल जीवन मिशन अंतर्गत शुद्ध पेयजल प्रदाय करने की मुहिम कारगर साबित हो रही है। इसी कड़ी में जिले के नरहरपुर विकासखंड के ग्राम मांडरादरहा और डब्बीपानी में हर घर नल-जल उत्सव मनाया गया और जल प्रमाणिकरण किया गया। इस अवसर पर जिला समन्वयक द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत हर घर नल हर घर जल के संचालन, संधारण, प्रबंधन एवं सतत क्रियाशील बनाए रखने की जिम्मेदारियों से अवगत कराया। उन्होंने इस योजना को सुचारू रूप से सफलता पूर्वक चलाने को कहा ताकि हर घर तक शुद्ध पेयजल की निरंतर आपूर्ति हो सके। उनके द्वारा जल जीवन मिशन योजना की संपूर्ण जानकारी देते हुए पाईप लाईन, टंकी, घरेलू नल कनेक्शन का सदुपयोग करते हुए साफ-सफाई रखने की जानकारी दी गई। साथ ही जल बहिनी, पंप आपरेटर, प्लंबर, हेल्पर और ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति तथा ग्राम वासियों को अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अलावा जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के तहत पानी का सीमित मात्रा में उपयोग करने, जल बचाव, किचन, गार्डन जैसे विषयों पर चर्चा की गई और उन्हें जागरूक किया गया।

70 से अधिक स्टार्टअप्स और 100 से ज्यादा स्टार्टअप प्रोजेक्ट्स के साथ एल्यूमिनियम उद्योग में इनोवेशन को बढ़ावा दे रही है वेदांता एल्यूमिनियम

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर कंपनी ने स्टार्टअप्स के साथ अपने रणनीतिक गठबंधनों पर प्रकाश डाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर भारत की सबसे बड़ी एल्यूमिनियम उत्पादक वेदांता एल्यूमिनियम ने एल्यूमिनियम सेक्टर के भीतर महत्वपूर्ण व्यावसायिक चुनौतियों से निपटने वाले 70 से अधिक स्टार्टअप के साथ अपने सफल गठबंधन के बारे में जानकारी देकर नवोन्मेष के लिए अपनी प्रतिबद्धता को पुन: दोहराया है। इन साझेदारियों के परिणामस्वरूप स्टार्टअप के साथ इनोवेशन को बढ़ावा देने, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), कंप्यूटर विज़न, इंटरनेट ऑफथिंग्स (आईओटी) और स्मार्ट सेफ्टी सॉल्यूशंस लाने, विनिर्माण मानकों को फिर से परिभाषित करने और उद्योग में स्थिरता और तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए वेदांता एल्यूमिनियम के समर्पण को मजबूत करने के लिए वेदांता स्पार्क के तहत 100 से अधिक प्रोजेक्ट्स की तैनाती हुई है।

अभिनव टेक्नोलॉजी और समाधानों का लाभ उठाकर, इन साझेदारियों का उद्देश्य प्रचालन दक्षता को बढ़ाना, उत्पादन प्रक्रियाओं को ऑप्टिमाइज़ करना और लागत में अहम बचत को बढ़ावा देना है। कंपनी द्वारा किए गए गठबंधन विविध क्षेत्रों में फैले हुए हैं, जिनमें वॉल्यूम मैनेजमेंट, लागत घटाव और पर्यावरणीय स्थिरता शामिल हैं। इसके अलावा, वे इस सेक्टर में सस्टेनेबल प्रैक्टिस को बढ़ावा देने में सहायक हैं, जो पर्यावरण संरक्षण और दीर्घकालिक स्थिरता लक्ष्यों के लिए वेदांता एल्यूमिनियम की व्यापक प्रतिबद्धता के मुताबिक चलती हैं, गौर तलब है की कंपनी का लक्ष्य 2050 तक नैट् ज़ीरो उत्सर्जन की स्थिति हासिल करना है।

इस अवसर पर वेदांता एल्यूमिनियम के सीओओ सुनील गुप्ता ने कहा, ''भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, काबिल व उत्साही उद्यमी तथा उनके इनोवेटिव सॉल्यूशंस उद्योगों में बदलाव ला रहे हैं और बिज़नेस मॉडल की नई परिभाषा गढ़ रहे हैं। हम इन स्टार्टअप के साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं, जिनकी अत्याधुनिक तकनीक और नए विचार हमें एल्यूमिनियम क्षेत्र में दक्षता, सस्टेनेबिलिटी और इनोवेशन को आगे बढ़ाने में मदद करेंगे। वेदांता एल्यूमिनियम में, हम वेदांता स्पार्क टीम और स्टार्टअप के साथ मिलकर काम करने पर गर्व करते हैं, ताकि हमारे उद्योग के भविष्य को आकार देने वाले परिवर्तनकारी समाधानों की प्राप्ति हो सके।''

वेदांता में कॉर्पोरेट वेंचर कैपिटल और स्पार्क के उपाध्यक्ष और प्रमुख श्री अमितेश सिन्हा ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा, ''हमारा मानना है कि मैन्युफैक्चरिंग, धातु और खनन का भविष्य स्टार्टअप्स से इनोवेटिव तकनीकों को अपनाने में निहित है। वेदांता एल्यूमिनियम के नेतृत्व ने स्टार्टअप सहयोग और उनके अत्याधुनिक समाधानों को अपनाकर एक मजबूत उदाहरण स्थापित किया है। वेदांता स्पार्क के माध्यम से हम एक ऐसे स्टार्टअप इकोसिस्टम का निर्माण कर रहे हैं जो प्रभाव-बढ़ाने वाले वॉल्यूम को बढ़ावा दे, लागत में कटौती करे और विश्व स्तरीय ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिकता, गवर्नेंस) मानकों को हासिल करने में सक्षम हो। ये साझेदारियां न केवल वेदांता एल्यूमिनियम के महत्व में वृद्धि करती हैं बल्कि पूरे उद्योग को भी उन्नत बनाती हैं।''

इन सहयोगी उपक्रमों में से एक उल्लेखनीय स्टार्टअप है- इनफिनिट अपटाइम, जो एआई-संचालित ऐनालिटिक्स का उपयोग करके औद्योगिक मशीनरी के लिए पूर्वानुमानित रखरखाव पर ध्यान केंद्रित करता है। उन्होंने 350 उपकरणों में 1000 से अधिक सेंसर लगाए हैं, जिससे अनियोजित ब्रेकडाउन की अवधि में 2,000 घंटे की उल्लेखनीय बचत हुई है, उत्पादन के घंटे बढ़े हैं और अनियोजित लागत को कम करने में मदद मिली है। यह इनोवेटिव टेक्नोलॉजी के माध्यम से प्रचालन दक्षता बढ़ाने में उनकी क्षमता को जाहिर करता है। साझेदारी की अहमियत पर इनफिनिट अपटाइम के सीईओ और संस्थापक श्री रौनक भिंगे ने कहा, ''इनफिनिट अपटाइम आभारी है कि वेदांता एल्यूमिनियम हमारे सॉल्यूशन को सबसे पहले अपनाने वाले संगठनों में से एक है।

एक छोटी सी पहल के रूप में शुरुआत के बाद अब यह एक सफल साझेदारी बन गई है। वेदांता स्पार्क ने वेदांता समूह के भीतर स्टार्टअप्स का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे हमें मजबूत बिजनेस केस निर्मित करने और समूह की खरीद प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाने में मदद मिली है। बदले में, समूह की कंपनियों ने अपने प्रचालन में इनोवेशन की तीव्र शुरुआत से काफी लाभ उठाया है। ऐसी तकनीकों को अपनाना दर्शाता है कि वेदांता स्टार्टअप सहयोगों के माध्यम से इनोवेशन को आगे बढ़ाने के लिए कितनी प्रतिबद्धता है।

राजनांदगांव में फसल चक्र का नया अध्याय

पीली सरसों की मुस्कान और मक्के की महक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजनांदगांव जिले के ग्राम जंगलेशर में खेतों की हरियाली और पीली सरसों के फूलों की मनोहारी छटा केवल प्रकृति की खूबसूरती नहीं, बल्कि किसानों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी बयां कर रही है। फसल चक्र परिवर्तन और शासन की योजनाओं के लाभ से प्रेरित होकर, यहां के किसानों ने परंपरागत खेती को छोड़कर मक्का, सरसों और गेहूं जैसी लाभदायक फसलों की ओर कदम बढ़ाए हैं।

धान की परंपरागत खेती से हटकर इस बदलाव का नेतृत्व कर रहे हैं प्रगतिशील किसान अशोक रामचंद्र गुप्ता, अमित गुप्ता और प्रसन्न कुमार जैन, जिन्होंने अपने कुल 50 एकड़ खेत में मक्का, 15 एकड़ में सरसों और 30 एकड़ में गेहूं की फसल लगाई है। इन किसानों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ उठाकर यह साबित किया है कि कम पानी और कम लागत में भी बेहतर मुनाफा कमाया जा सकता है।

सरसों की खेती में प्रति एकड़ मात्र 5 हजार रुपये की लागत आती है, जबकि उत्पादन 6-7 क्विंटल तक पहुंचता है, जिससे किसानों को लगभग 40-42 हजार रुपये का शुद्ध लाभ होता है। इसी तरह, मक्का की खेती से 60 हजार रुपये और गेहूं से 30 हजार रुपये प्रति एकड़ की आय हो रही है।

शासन द्वारा किसानों को मक्का और सरसों का उच्च गुणवत्ता वाला बीज नि:शुल्क प्रदान किया गया है। साथ ही, कीट प्रबंधन और फसल देखभाल की तकनीकी जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है। इसका नतीजा यह है कि किसान अब धान की पानीखपत वाली खेती से हटकर मक्का, गेहूं और सरसों जैसी फसलों को अपनाने में रुचि दिखा रहे हैं।

जिला प्रशासन और कृषि विभाग द्वारा फसल चक्र परिवर्तन को प्रोत्साहित करने के लिए जल संवर्धन, स्वच्छता और संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य किसानों को कम पानी की जरूरत वाली फसलों की ओर आकर्षित करना है। इस बदलाव से न केवल पानी की बचत हो रही है, बल्कि जमीन की उर्वरता भी बनी हुई है। किसान अब चना, दलहन-तिलहन और उद्यानिकी फसलों को भी प्राथमिकता दे रहे हैं।

किसान अशोक रामचंद्र गुप्ता कहते हैं, धान के बदले मक्का और सरसों की खेती करने का फैसला सही साबित हुआ। कम लागत और कम मेहनत में अच्छा मुनाफा हो रहा है। वहीं, अमित गुप्ता का मानना है कि शासन की योजनाओं से हमें खेती के नए आयाम मिले हैं। ग्राम जंगलेशर की यह कहानी न केवल जिले के किसानों के लिए प्रेरणा है, बल्कि यह साबित करती है कि सही मार्गदर्शन और सरकारी सहयोग से खेती के तौर-तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव लाया जा सकता है। पीली सरसों की मुस्कान और मक्के की महक अब हर किसान के जीवन में खुशहाली का प्रतीक बन रही है।

मत्स्य संपदा योजना के हितग्राही को मिला चार पहिया वाहन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत मुंगेली जिले के पथरिया विकासखंड के ग्राम चंद्रगढ़ी के हितग्राही घनश्याम निषाद को चार पहिया पिकअप वाहन प्रदान किया गया। कलेक्टर राहुल देव और पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने हितग्राही को वाहन की चाबी सौंपते हुए उन्हें बधाई दी। कलेक्टर ने इस योजना की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना मछली पालन क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इस योजना के माध्यम से मछली उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ मछुआरों के कल्याण को भी प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने हितग्राही को चार पहिया वाहन के इस्तेमाल को अपने व्यवसाय में लाभकारी बनाने और अधिक से अधिक आय अर्जित करने के लिए प्रेरित किया।

हितग्राही निषाद ने बताया कि उनका समूह 20 हेक्टेयर क्षेत्र में मछली पालन करता है। वे प्रतिदिन 1 से 2 क्विंटल मछली बाजार में विक्रय के लिए लेकर जाते हैं। इस कार्य में चार पहिया वाहन मिलने से काफी आसानी होगी। उन्होंने कहा कि लंबे समय से उनका सपना था कि उनके पास एक चार पहिया वाहन हो, जिससे व्यवसाय में सहूलियत हो। अब यह सपना सच हो गया है। उन्होंने वाहन के लिए 11 लाख रुपये खर्च किए हैं, जिसमें शासन की ओर से 4 लाख रुपये अनुदान मिला है, इससे किस्तों के भुगतान आसान हो जाएगा।

हितग्राही निषाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, कलेक्टर और जिला प्रशासन को धन्यवाद देते हुए कहा कि अब मछली परिवहन और व्यवसाय को और अधिक सुगम बनाने में मदद मिलेगी। मछली पालन विभाग के सहायक संचालक आलोक श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत हितग्राही को चार लाख रुपये तक की छूट मिलेगी। जैसे कि तालाब निर्माण, मत्स्य बीज संवर्धन, कोल्ड स्टोरेज, फिश फीड मील आदि।

श्रम मंत्री देवांगन ने मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण 2024 के शिक्षकों का किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने आज कोरबा स्थित कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के 58 शिक्षकों को मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण से सम्मानित किया। उन्होंने सम्मानित शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षकों के ऊपर विद्यार्थियों का अच्छा भविष्य बनाने की एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। यह एक महत्वपूर्ण विभाग है। शिक्षा से बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनता है। उन्होंने कहा कि समाज में शिक्षक की अलग पहचान है। उन्हें गुरु के साथ ही पूज्यनीय माना जाता है। इसलिए शिक्षक अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए स्कूलों में बेहतर शैक्षणिक माहौल स्थापित करने की दिशा में कार्य करें ताकि विद्यार्थी जिले का नाम रोशन कर सके।

उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि शिक्षा एक अमूल्य धन है। शिक्षित व्यक्ति कभी गरीब और भूखा नहीं हो सकता। वह अपने ज्ञान से अपना सम्मान और पहचान प्राप्त करता है। मंत्री ने कहा कि जिले में शिक्षा को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किया जा रहा है। यहां के 10 वीं के मेरिट विद्यार्थियों को कोचिंग के लिए रायपुर भेजा गया है। जर्जर स्कूलों और आंगनबाड़ी भवनों की मरम्मत कराई जा रही है। नए भवन बनाये जा रहे हैं और अतिथि शिक्षक, भृत्य की भर्ती कर शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाया जा रहा है। मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि जिले के कलेक्टर द्वारा भी शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सम्मानित शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप से अन्य शिक्षक भी प्रेरित होंगे। आप सभी जिले में बेहतर रिजल्ट देने की दिशा में मिल-जुलकर काम करें। उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री द्वारा शिक्षा तथा देश प्रदेश के विकास में किये जा रहे कार्यों को बताते हुए सभी को बधाई दी।

कलेक्टर अजीत वसंत ने कहा कि समाज में अभी भी शिक्षकों के प्रति सम्मान है। आप अपने कार्यों और नवाचार से विद्यार्थियों की भविष्य को बेहतर से बेहतर बनाकर अपनी भी पहचान बना सकते हैं। कलेक्टर ने कहा कि अनेक शिक्षक शिक्षा के साथ विद्यार्थियों की अन्य रुचियों को पता लगाकर उन्हें आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने जिले में शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर बनाने और नए भवन,शिक्षक भर्ती सहित अन्य सुविधाएं मुहैया कराने की जानकारी दी। कलेक्टर ने सम्मानित शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उन्हें प्रगति की राह में आगे बढ़ने तथा अन्य शिक्षकों भी प्रेरणा मिलने की बात कही।

मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण के तहत 2023-24 और 2024-25 के चयनित कुल 58 शिक्षकों को शिक्षा दूत, उत्कृष्ट प्रधानपाठक एवं ज्ञानदीप पुरस्कार से शॉल, श्रीफल तथा राशि देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद नरेन्द्र देवांगन, जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, सहायक आयुक्त श्रीकांत कसेर, जिला शिक्षा अधिकारी टी पी उपाध्याय, मनोज पांडेय आदि उपस्थित थे।

वनवासियों को वनोपज का अधिक से अधिक लाभ मिले: वन मंत्री कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा वनवासियों को वनोपज का अधिक से अधिक लाभ मिले यह सुनिश्चित की जा रही है। जंगल वनवासी बंधुओं के जीवन का आधार है इसका संरक्षण और संवर्धन करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। हमारी सरकार 67 प्रकार के विभिन्न लघु वनोपज की खरीदी कर रही है और इसकी संख्या बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है।

ताकि वनोपज खरीदी का अधिक से अधिक लाभ वनवासियों का मिल सके। यह बात वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने राजधानी स्थित दीनदयाल ऑडिटोरियम में आयोजित छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ के शपथ ग्रहण और अलंकरण समारोह में कही। उन्होंने कहा कि वन अतिक्रमण और तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई करने वाले को पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक पुरंदर मिश्रा ने की और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रमुख मुख्य वनसंरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही.श्रीनिवास राव उपस्थित थे। वन मंत्री केदार कश्यप ने संघ के नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष श्री अजीत दुबे सहित संघ के अन्य पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। वन मंत्री कश्यप ने 45 उपवनक्षेत्रपाल से वनक्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति अधिकारियों का स्टार अलंकरण कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि वन कर्मी विषम परिस्थितियों में वनों के साथ-साथ वन्यजीवों के संरक्षण और प्रकृति को सहजने का काम कर रहे हैं। वन मंत्री कश्यप ने कहा कि राज्य में 687 वर्ग किलोमीटर वनावरण बढ़ा है और भारतीय वन सर्वेक्षण रिपोर्ट 2023 के अनुसार, छत्तीसगढ़ ने संयुक्त वन एवं वृक्ष आवरण वृद्धि में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके लिए आप सभी को बधाई और शुभकामनाएं। इस अवसर पर एपीसीसीएफ ओपी यादव, सीसीएफ शालिनी रैना, सीसीएफ नावेद शुजाउद्दीन, सीसीएफ राजू आगासिमनी, राष्ट्रीय अध्यक्ष वन अधिकारी महासंघ सतीश मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ अजीत दुबे सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

खाली पेट ये चीजें भूलकर भी न खाएं, अल्सर का है खतरा

आजकल ज्यादातर लोग हेल्थ कॉन्शस हैं इसलिए हेल्दी फूड की तरफ उनका झुकाव ज्यादा होता है। हम सब ये तो जानते हैं कि कौन सा फूड सेहत के लिए फायदेमंद है और कौन सा नहीं। लेकिन हम में से बहुत कम लोग ही जानते हैं कि अगर सेहतमंद चीजों को भी गलत समय पर खाया जाए तो हमें फायदे की बजाय नुकसान हो सकता है और सेहत पर इसका बहुत बुरा असर पड़ता है। इसलिए आप किसी भी चीज को खाने से पहले उसकी पूरी जानकारी रखें , जिससे की उसे गलत समय पर खाने से बच सकें और सेहतमंद बने रहें। यहां हम आपको कुछ ऐसे भी फूड आइटम्स के बारे में बता रहे हैं जिन्हें अगर आप खाली पेट खाएंगे तो अल्सर होने का खतरा रहेगा...

केला

आयरन और पोटैशियम से भरपूर केला सेहतमंद है लेकिन अगर आप इसे सुबह खाली पेट खाते हैं तो ये आपके लिए काफी खतरनाक साबित हो सकता है। माइग्रेन और ऐसिडिटी के मरीजों को इस मामले में खास ध्यान रखने की जरूरत है क्योंकि खाली पेट केला ऐसिडिटी को बढ़ाता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार केला एक सुपरफूड है। इसमें मैग्निशियम और पोटैशियम काफी ज्यादा मात्रा में पाया जाता है लेकिन अगर आप इसे गलत समय पर खाते हैं तो खून में मिनरल्स का डिसबैलेंस हो सकता है।

खट्टे फल

खट्टे फल तो सभी के फेवरिट होते हैं खासकर ठंड में इनको खाने का मजा ही अलग है। खट्टे फलों में संतरा लोगों का काफी पसंदीदा फल है। वैसे तो ये फल शरीर के लिए काफी फायदेमंद होते हैं लेकिन अगर आप इन फलों को खाली पेट खाते हैं तो आपके शरीर को इसका बहुत बुरा खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। इसलिए खट्टे फल खाली पेट खाने की बजाय नाश्ते के बाद खाएं।

दही

दही पेट के लिए काफी फायदेमंद मानी जाती है। खासकर गर्मी के मौसम में दही पीने से आप काफी रिलैक्स और अच्छा महसूस करते हैं। लेकिन शायद आपको पता न हो कि खाली पेट दही खाने से फायदा तो नहीं लेकिन नुकसान जरूर होता है। खाली पेट दही खाने से ऐसिडिटी बढ़ती है और आगे चलकर अल्सर की समस्या भी हो सकती है। खाली पेट दही लेने से इसमें मौजूद बैक्टीरिया से फायदा बेअसर हो जाता है।

टमाटर

सब्जियों में टमाटर तो सभी को काफी पसंद होगा इसके अलावा लोग इसे कच्चा भी खाते हैं और ये शरीर के लिए काफी फायदेमंद भी होता है। लेकिन हम आपको बता दें कि टमाटर में ऐसिड की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। अगर आप इसे खाली पेट खाते हैं तो ये आपके लिए नुकसानदेह हो सकता है। गलत समय पर टमाटर खाने से पथरी और गैस्ट्रिक अल्सर का भी खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

चाय या कॉफी

अक्सर जब लोग बोर होते हैं या नींद आती है तो ऐसे में लोग एक कप चाय या कॉफी लेना पसंद करते हैं , इससे काफी रिफ्रेश महसूस होता है। लेकिन खाली पेट चाय या कॉफी पीने से एसिडिटी की समस्या बढ़ सकती है और इसके साथ ही साथ दिनभर जलन और बदहजमी की भी समस्या हो सकती है। चाय और कॉफी में मौजूद कैफीन या निकोटीन से एसिड बनता है, जिसका डाइजेस्टिव सिस्टम पर काफी बुरा प्रभाव पड़ता है।

तीखा मसालेदार खाना

इंडियन्स की ये खासियत पूरी दुनिया में मशहूर है। हमें तीखा बनाना और खाना दोनें काफी पसंद है। अगर आप सुबह-सुबह मसालेदार या तीखा खाना खाते हैं तो इससे अल्सर होने की सम्भावना कई गुना बढ़ जाती है। मसालेदार खाने से शरीर में एसिड का स्तर बढ़ जाता है और ये शरीर के डाइजेशन को बुरी तरह से प्रभावित करता है। गलत समय पर तीखा मसालेदार खाने से पेट में ऐंठन व दर्द हो सकता है और लूज मोशन की भी समस्या हो सकती है।

दवाई

जब हम बीमार होते हैं तो दवाई खाना हमारी जरूरत बन जाती है। लेकिन अगर आप खाली पेट दवा लेते हैं तो आज ही इस आदत को बदल लें क्योंकि ये अल्सर का सबसे बड़ा कारण हो सकता है। इससे पेट में एसिड की शिकायत होती है। जलन और खट्टी डकार की भी समस्या होती है जिससे पेट के अंदरूनी हिस्से प्रभावित होते हैं।

पलक तिवारी के लेटेस्ट लुक ने इंटरनेट पर मचाया बवाल, पिंक आउटफिट में एक्ट्रेस ने जमकर दिए पोज

किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस पलक तिवारी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनका कातिलाना लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक बार फिर से अपनी हॉट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी आए दिन अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस से फैंस को अपने हुस्न का कायल करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो जल्दी ही वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका हॉट लुक देखकर फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस पलक तिवारी ने पिंक कलर का ऑफ शोल्डर आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही बोल्ड एंड ब्यूटिफुल नजर आ रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। बालों का बन बनाकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस पलक तिवारी ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। उनका कातिलाना अवतार दिखते ही इंटरनेट पर तबाही मच जाती है। बताते चलें पलक तिवारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज फैंस के बीच शेयर करती हैं तो उनका हर एक स्टाइल लोग अच्छे से फॉलो करते हैं।

सर्दी और पलूशन से बचाएंगे ये स्किनकेयर टिप्स

हमारा फेस एक ऐसा बॉडी पार्ट है जो ज्यादातर समय बाहरी वातावरण के एक्सपोजर में रहता है। सर्दियों के मौसम में तो खासकर शरीर के अन्य हिस्से अक्सर कवर्ड रहते हैं लेकिन फेस खुला ही रहता है जिससे सर्दी और पलूशन की सबसे ज्यादा मार चेहरे को ही झेलनी पड़ती है। ऐसे में सर्दी के समय हवा में पलूशन का स्तर भी बढ़ जाता है जो स्किन के लिए बेहद नुकसानदेह है।

स्किन पर पलूशन और सर्दी का असर

■पलूशन से स्किन पर समय से पहले झुर्रियां पड़ने लगती हैं।
■स्किन पर पिंपल और ड्राइनेस की समस्या होने लगती है।
■स्किन से ग्लो भी चला जाता है और आपकी स्किन हेल्दी नहीं रह जाती।
■सर्दी के समय ड्राई और ठंडी हवाओं से स्किन की नमी चली जाती है।
■इस दौरान स्किन बिल्कुल ड्राई हो जाती है और स्किन से सूखी परतें छूटने लगती हैं।

ऐसे में हम आपको कुछ ऐसे स्किनकेयर टिप्स के बारे में बता रहे हैं जिससे आपकी त्वचा पलूशन और सर्दियों में भी हेल्दी और ग्लोइंग रहेगी...

गर्म पानी से ज्यादा न नहाएं

सर्दी में गर्म पानी से नहाना काफी मजेदार होता है। ऐसे में लोग 20 मिनट से आधे घंटे तक गर्म पानी में नहाते रहते हैं। लेकिन हम आपको बता दें कि सर्दी में 5 मिनट से ज्यादा गर्म पानी से नहाना आपकी त्वचा के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इससे स्किन से नमी चली जाती है और स्किन ड्राई हो जाती है।

मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल

सर्द मौसम और पलूशन से स्किन ड्राई होकर फटने लगती है जो काफी दर्दनाक होता है और इससे झुर्रियां भी पड़ने लगती है। इसलिए इस मौसम में ठंड और पलूशन की मार से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा मात्रा में इश्चराइजर का इस्तेमाल करें। मॉइश्चराइजर आपके स्किन में नमी बनाए रखता है जिससे स्किन ड्राई नहीं होती और हेल्दी रहती है। नहाने के तुरंत बाद पूरी बॉडी में मॉइश्चराइजर लगाना न भूलें। इससे स्किन की फाइन लाइन्स और रिंकल्स भी कम होते हैं।

हेल्दी फूड लें

इस समय स्किन में नमी बनाए रखने के लिए हेल्दी खाना खाएं। अपनी डायट में विटमिन और मिनरल्स से भरपूर चीजों को शामिल करें। हाई ऐंटिऑक्सिडेंट वाली चीजें जैसे फ्रेश फ्रूट, वेजिटेबल्स और नट्स ज्यादा मात्रा मे लें। हरी सब्जियों का ज्यादा से ज्यादा सेवन करें। इसके अलावा सर्दी के मौसम में फिश, नट्स, ऑलिव ऑइल और फ्लैक्स सीड्स स्किन के लिए काफी सेहतमंद होते हैं।

चेहरे को कवर करके निकलें

पलूशन, ठंडी हवाओं और सूरज की नुकसानदेह किरणों से बचने के लिए बाहर निकलते समय चेहरे को अच्छी तरह से ढक लें। इसके अलावा घर से निकलने से 20 मिनट पहले सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें। हर ढाई घंटे पर सनस्क्रीन लगाते रहें। इससे त्वचा में नमी बनी रहेगी।

होंठों का रखें खास ध्यान

इस समय होंठों को डिहाईड्रेटेड होने से बचाने के लिए अपने साथ हमेशा एक लिप बाम रखें। जब भी आपको अपने होंठ ड्राई महसूस हों तो इस लिप बाम का इस्तेंमाल करें। इसके अलावा होंठ और बॉडी को डिहाईड्रेशन से बचाने के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं।

सर्दी में योग से शरीर को रखें गर्म, रहें दिनभर एनर्जेटिक

सर्द मौसम में लोग शरीर में गर्माहट बनाए रखने के लिए कई उपाय करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि बिना रजाई या अलाव के भी शरीर के तापमान को सामान्य रखा जा सकता है। हम आपको योग के ऐसे 7 आसनों के बारे में बता रहे हैं जिन्हें नियमित रूप से करने से आप अपने शरीर को न सिर्फ गर्म रख सकते हैं, बल्कि ठंड से होने वाली बीमारियों से भी बच सकते हैं।

कपालभाति प्राणायाम का ही एक रूप है। यह आंतरिक अंगों को उत्तेजित कर उर्जा उत्पन्न करता है। इसमें तेजी से सांस लेकर छोड़नी होती है, जिससे शरीर में गर्मी उत्पन्न होती है। यह मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करते हुए पूरे शरीर को प्रभावित करता है। साथ ही यह काफी तेजी से काम करते हुए शरीर के कई अंगों को गर्म करता है।

शीर्षासन को सभी आसनों के राजा के रूप में जाना जाता है। यह आसन पूरे शरीर को शांत करने के लिए काम करता है। यह दिमाग में हाइपोथैलेमस और पीनियल ग्रंथियों के जरिए ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ावा देने में मदद करता है। यह मुद्रा शरीर के भीतर ब्लड के जरिए गर्मी को फैलाने के दौरान मस्तिष्क की क्षमता विकसित करने में मदद करती है।

वीरभद्र, एक योद्धा की तरह और भगवान शिव के अवतार के रूप में नामित आसन मांसपेशियों में लचक लाने का काम करता है। सबसे अच्छी बात यह है कि एक योद्धा मुद्रा के नाम पर होने के बावजूद, आसन प्रदर्शन करते समय आग्रह का भी संदेश देता है। इस मुद्रा में फोकस, बैलेंस और स्ट्रेंथ का एक साथ संयोजन होता है, शरीर को बेहतरीन तरीके से गर्म करने में मदद करता है।

यह एक आदर्श आसन है जो कि बॉडीवेट के साथ कई तरह की एंटी बॉडी सेल्स को कंट्रोल करता है। दिन में कुछ मिनट के लिए ऐसा करने से आपके मेटाबॉलिज्म को दिन में और रात के समय भी बढ़ा सकता है। एक मिनट या इससे कुछ अधिक समय तक इस आसन को करने पर पूरे शरीर में गर्मी को महसूस किया जा सकता है।

यह आसन आपके पेट और कूल्हे की मांसपेशियों को मजबूत करता है। इस आसन में संतुलन बनाए रखना बेहद अहम है, जो वास्तव में शरीर को उत्तेजित कर ऊर्जा प्रदान करता है। इस प्रक्रिया के दौरान शरीर में जल्दी से गर्मी उत्पन्न होती है। यह तनाव को कम कर सुकून देता है।

यह साधारण आसन है, मगर हर कोई इसे आसानी से नहीं कर पाता। इसमें खिंचाव अधिक महसूस होता है, जो शरीर के सिस्टम में गर्मी लाकर शांति प्रदान करता है। अगर शारीरिक और मानसिक थकावट दिन के दौरान महसूस होती है, तो इस आसन से बेहतर महसूस होता है। तुरंत आराम और शरीर की गर्मी के लिए यह आसन किया जा सकता है।

ज्यादातर आसन शारीरिक संतुलन के साथ स्थिति बेहतर ऊर्जा प्रदान करते हैं। मगर बात गरुड़ासन की करें तो इसमें हाथों और कंधों की मांसपेशियां मजबूत होती है। साथ ही दिमाग में विचारों और भावनाओं के एक अच्छे संतुलन के लिए भी गरुड़ासन को जाना जाता है। अपने शरीर को स्थिर रखने, एकाग्रता और ध्यान केंद्रित रखने के लिए यह आसन बेहतर काम करता है।

5 जैकेट्स को विंटर वॉरड्रोब में करें शामिल

सर्दी का मौसम आया नहीं कि ज्यादातर लोग इस बात को लेकर परेशान हो जाते हैं कि अगर उन्हें किसी पार्टी में जाना हो या फिर दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाना हो तो वो कौन सी जैकेट पहनें। क्या वे एक ही जैकेट को हर जगह पहनकर जाएं या फिर अलग-अलग मौकों के लिए अलग-अलग जैकेट्स खरीदें। सही जैकेट के चुनाव को लेकर अगर आप भी असमंजस में हैं तो इन पांच जैकेटों को खरीदकर आप आपने विंटर वॉर्डरोब को बेहतर बना सकते हैं।

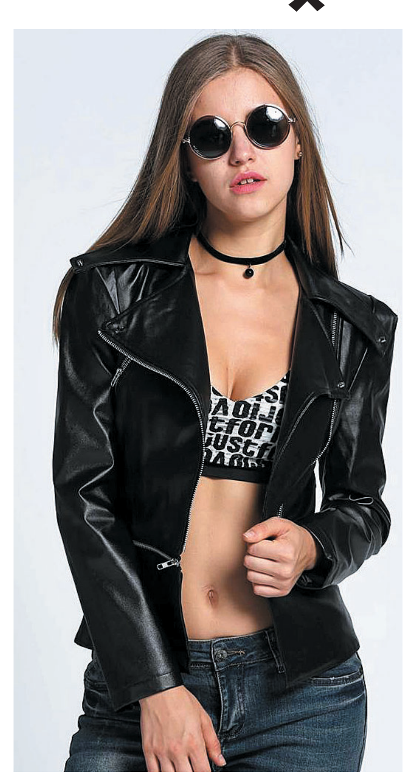

ट्रकर जैकेट

ट्रकर जैकेट डेनिम जीन्स जैकेट है, जिसमें दोनों तरफ जेबें होती हैं। इन जैकेटों के पीछे हाथ से पेंट हुए डिजाइन, बीड्स, ब्रैड एम्बेलिशमेंट और पैच के कारण यह थोड़ा फंकी लुक देती हैं।

ब्लौजन जैकेट

ब्लौजन जैकेट थोड़ी ढीली होती है लेकिन इलास्टिक कपड़े के साथ यह कमर के ईद-गिर्द फिट हो जाती है। यह बॉम्बर जैकेट की तरह दिखाई देती है लेकिन विभन्न श्रेणियों में आती है जैसे जिसपर, बटन और विभिन्न कॉलर पैटर्न होते हैं।

अनोरॉक्स या पारकॉस

यह दोनों एक ही तरह की जैकेट हैं। यह जैकेट पानी से बचाती हैं। हालांकि पारकॉस आमतौर पर अनोरॉक्स की तुलना में लंबी होती है और फर के साथ आती है।

बाइकर जैकेट

लेदर बाइकर जैकेट में बहुत सारे जिप, पट्टियां और बकल होते हैं। बाइकर जैकेट बाहर जाने और रोड ट्रिप के लिए एकदम सही हैं। यह अन्य जैकेटों की तुलना में आपको एक अलग रूप देती है। सफेद टी-शर्ट, काली जींस, ऊंचे जूते के साथ काले रंग की जैकेट काफी जमती है।

बॉम्बर जैकेट

सामान्य टी-शर्ट और जींस के साथ इसे पहनना आपको एक डैपर लुक देता है। यह सर्दियों में आपको गर्म रखने के साथ-साथ स्टाइलिश दिखाती है। यह विभिन्न कपड़ों जैसे सिंथेटिक, लेदर, पॉलीकॉटन और सुएड में उपलब्ध है।

ऑनलाइन शॉपिंग करते वक्त बेहतर डील्स पाने के टिप्स

जब बात शॉपिंग की आती है तो इन दिनों ज्यादातर लोग घर बैठे, आराम से, बिना किसी परेशानी के और बिना किसी भागदौड़ के ऑनलाइन शॉपिंग करना पसंद करते हैं। कपड़ों से लेकर राशन तक और मोबाइल फोन से लेकर अक्सेसरीज, होम डेकॉर और यहां तक की अब तो आपको अपना घर और कार भी ऑनलाइन ही बैठे-बैठे मिल सकते हैं। लेकिन साल के 365 दिन सेल नहीं चलती। ऐसे में ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान बेहतर डील्स पाने के लिए आपको कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए...

बहुत सी वेबसाइट्स ऐसी हैं तो नए कस्टमर्स को लुभाने के मकसद से पुराने कस्टमर्स की तुलना में बेहतर डील्स और ऑफर्स देती हैं और इसके लिए वे आपकी लोकेशन, ब्राउजिंग हिस्ट्री और पिछली शॉपिंग के आधार पर जान लेती हैं कि आप नए कस्टमर हैं या फिर पुराने। लिहाजा हर बार जब भी आप ऑनलाइन शॉपिंग करें तो इन्कॉगनिटो मोड में प्राइवेट विंडो ओपन करके शॉपिंग करें या फिर अपनी ब्राउजिंग हिस्ट्री, और कुकीज को थोड़े-थोड़े दिन पर क्लीयर करते रहें। इसके अलावा आप चाहें तो एक से ज्यादा ई-मेल आईडी या परिवार के सदस्यों के फोन नंबर्स का इस्तेमाल कर सकते हैं ताकि आप हमेशा वेबसाइट के लिए फर्स्ट यूजर और न्यू कस्टमर बने रहें।

प्राइस कंपेयर करें

ऐसी बहुत सी वेबसाइट्स हैं और मोबाइल ऐप्स हैं जैसे माइस्मार्टप्राइस, कंपेयरराजा, प्राइसदेखो, बायहटके और स्मार्टप्रिक्स जहां जाकर आप जिस भी चीज की खरीददारी कर रहे हों उसकी कीमत दूसरी वेबसाइट्स भी कितनी है, इसे रियल टाइम में कंपेयर कर सकते हैं। इसका मतलब है कि शॉपिंग के दौरान ही उस प्रॉडक्ट की सबसे कम कीमत आपको पता चल जाएगी। मोबाइल फोन्स, होटल्स और इलेक्ट्रॉनिक गैजट्स की भी कीमत कंपेयर करने के लिए इस तरह की कई वेबसाइट्स मौजूद हैं।

कैशबैक देने वाली साइट्स और ऐप्स यूज करें

अगर आप ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान दूसरों से ज्यादा बचत करना चाहते हैं तो शॉपिंग करने के दौरान कैशबैक देनी वाले ऐप्स जैसे- गोपैसा, नियरबाइ, टैपजो और मैजिकपिन को डाउनलोड कर लें। इन ऐप्स और साइट्स के जरिए आप ऐमजॉन, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील जैसे प्लेटफॉर्म पर भी शॉपिंग करके कूपन्स, डिस्काउंट्स और दूसरी डील्स पा सकते हैं। इसके अलावा आप चाहें तो रेस्तरां, सलॉन, स्पा और ग्रोसरी स्टोर में भी इन ऐप्स के जरिए कैशबैक हासिल कर सकते हैं।

शॉपिंग कार्ट को त्याग दें

जी हां, आपने सही पढ़ा...ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान छूट और रीबेट हासिल करने का एक तरीका यह भी है कि आप अपने शॉपिंग कार्ट में ढेर सारे प्रॉडक्ट्स भर लें और फिर बिना पेमेंट किए साइट से बाहर आ जाएं यानी शॉपिंग कार्ट को यूं ही त्याग दें। बहुत सी वेबसाइट्स इस तरह के व्यवहार से परेशान हो जाती हैं और कुछ दिनों बाद आपको याद दिलाती हैं कि आपने उनसे साइट पर जाकर कुछ चीजें पसंद की थीं और आपको खरीददारी करने के लिए फिर से लुभाने के मकसद से कीमत में कटौती भी कर सकती हैं।

फैशन ट्रेंड में है ग्लिटरी ड्रेसेज, आप भी कर सकती हैं ट्राई

इसमें कोई शक नहीं कि जब बात पार्टी की आती है तो ज्यादातर लोग खासतौर पर गर्ल्स कुछ चमकीला और भड़कीला पहनना पसंद करती हैं ताकि पार्टी के दौरान सबकी निगाहें उन्हीं पर टिकी रहें। नए साल में फैशन ट्रेंड की बात करें तो इस वक्त फैशन ग्लिटरी आउटफिट्स का है और बॉलिवुड दीवाज भी इन दिनों हर जगह, हर पार्टी में ग्लिटरी और शिमरी ड्रेसेज में ही नजर आ रही हैं। ऐसे में इन बॉलिवुड सिलेब्स से टिप्स लेकर आप भी ग्लिटर वाली ड्रेस को ट्राई कर सकती हैंजब बात अलग-अलग तरह के ड्रेसेज और फैशन ट्रेंड्स को ट्राई करने की आती है तो सबसे पहले नाम आता है मलाइका अरोड़ा का जो अपनी फिल्मों को लेकर नहीं बल्कि ड्रेसिंग सेंस को लेकर चर्चा में रहती हैं।

मलाइका की सिल्वर कलर की सिक्वेंस वाली यह ग्लिटरी ड्रेस हर तरह से पार्टी परफेक्ट है। सिर्फ करीना कपूर ही नहीं बल्कि करिश्मा कपूर भी हर तरह की ड्रेस और फैशन ट्रेंड को पूरे कॉन्फिडेंस के साथ कैरी करती नजर आती हैं और यकीन मानिए इंडियनवेअर हो या वेस्टर्नवेअर हर तरह के कपड़ों में करिश्मा बेहद खूबसूरत लगती हैं। एक बार फिर ड्रेस कलर का शिमरी पैंटसूट हो या फिर मरून कलर की ब्राइट ग्लिटरी शॉर्ट ड्रेस... दोनों ही लुक में करिश्मा बेहद गॉरजस लग रही हैं। मशहूर डिजाइनर मोनिशा जय सिंह द्वारा डिजाइन की गई बॉटल ग्रीन कलर की यह सिक्वेंस वाली फुल स्लीव्स की ग्लिटरी ड्रेस हर तरह से पार्टी परफेक्ट है और इसे पहनकर आप भी बेहद खूबसूरत लगेंगी। नए साल, साल 2019 का शाइनी और ब्राइट आगाज करने के मकसद से शिल्पा शेट्टी नजर आईं यूसुफ अलीजासमी द्वारा डिजाइन किए गए सी ब्लू कलर की इस शिमरी और ग्लिटरी रैप-स्लिट ड्रेस में। इस फुल स्लीव्स, फुल लेंथ ड्रेस में शिल्पा बेहद ग्लैमरस लग रहीं थीं। सारा अली खान इस वक्त बॉलिवुड में भले ही सिर्फ 2 फिल्म पुरानी हों लेकिन फैशन और स्टाइल के मामले में वह किसी से पीछे नहीं हैं। अपनी दूसरी फिल्म सिम्बा के प्रमोशन्स के दौरान नजर आया सारा का स्टाइलिश अवतार। इस दौरान सारा भी कई मौकों पर ग्लिटरी ड्रेस पहने दिखीं।

पीएमश्री योजना से छत्तीसगढ़ के इस जिले में 10 स्कूलों की बदली तस्वीर, स्टूडेंट्स को मिल रही कई सुविधाएं

स्मार्ट क्लासरूम, विज्ञान और गणित के लिए अत्याधुनिक लैब्स, खेल सुविधाएं और डिजिटल लाइब्रेरी से पढ़ाई का मजा हुआ दोगुना

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पीएम श्री योजना के अंतर्गत शालाओं को चिन्हांकित कर मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में पीएमश्री योजना के माध्यम से शैक्षणिक अधोसंरचना एवं शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। सरगुजा जिले के ऐसे 10 विद्यालय हैं, जिनका पीएमश्री योजनांतर्गत चयन किया गया है।

इसके बाद इन स्कूलों की तस्वीर बदल गई है। योजनांतर्गत चयनित स्कूलों में पहले और अब में बड़ा परिवर्तन आया है, जिससे बच्चों में भी सुंदर वातावरण में पढ़ाई को लेकर नया उत्साह देखने को मिल रहा है। स्कूलों के रंग-रूप में बदलाव के साथ बच्चों के लिए सभी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। वहीं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ ही स्मार्ट क्लासरूम, विज्ञान और गणित के लिए अत्याधुनिक लैब्स, खेल सुविधाएं, और डिजिटल लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

चौथी कक्षा में पढ़ने वाली संतोषी को पढ़ने में आता है अब दुगुना मज़ा: पीएमश्री प्राथमिक शाला नगरपालिका के चौथी कक्षा में पढ़ने वाली संतोषी गुप्ता बताती हैं कि पहले हम सब जमीन में चटाई में बैठकर पढ़ते थे अब बेंच मिल गया है, बहुत अच्छा लगता है। पीने के लिए साफ पानी मिल रहा है, अब शौचालय भी साफ-सुथरा रहता है। स्कूल में अब सबकुछ अच्छा हो गया है। शनिवार को हमें ड्राइंग सिखाया जाता है, उसके साथ ही नई-नई चीजें भी सिखने मिलती है। हमारी रुचि के अनुसार खेलकूद भी सिखाया जा रहा है। हम सब बहुत खुश हैं।

शिक्षा के साथ-साथ अन्य विधाओं का भी दिया जा रहा है प्रशिक्षण: पीएमश्री प्राथमिक शाला नगरपालिका की प्रधानपाठिका प्रतिभा सिंह ने बताया कि पीएमश्री विद्यालय के रूप में घोषित होने के बाद विद्यालय में सुविधाओं का विस्तार हुआ है। बच्चों के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं, जो कमी थी, वो सब अब दूर हुई हैं। भवन के रंग-रोगन, साफ-सफाई के साथ अन्य कार्य किए गए हैं। व्यवस्था दुरुस्त होने से बच्चों की पढ़ाई के प्रति रूचि भी जगी है। बच्चों के इंटरेस्टेट के अनुसार अन्य एक्टीविटी भी होती है। शनिवार को खेल होता है, ड्रॉइंग, क्राफ्ट का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हमें बहुत खुशी है कि पीएमश्री विद्यालय होने से बच्चों को ये सब सुविधाएं मिल रहीं हैं।

स्कूल जाने अब खुद से सुबह-सुबह तैयार हो जाते हैं बच्चे

अभिभावक अमृता सोनी कहती हैं कि उनके बच्चों का भविष्य अब अच्छा होगा। उन्होंने बताया कि उनके बच्चे यहां कक्षा दूसरी और 6वीं में पढ़ते हैं, बच्चों को स्कूल भेजने के लिए बहुत मनाना पड़ता था। लेकिन अब वे स्वयं सुबह उठकर तैयार हो जाते हैं, उनका मन पढ़ाई-लिखाई में लग गया है। क्योंकि पहले बच्चे दरी में बैठते थे, अब यहां बच्चों के लिए बेंच डेस्क की व्यवस्था है। व्यवस्थाओं के साथ ही शिक्षा के स्तर में भी वृद्धि हुई है, मैं रोजाना पढ़ाए गए विषयों के नोटबुक देखती हूं। यहां पेरेंट्स टीचर मीटिंग का भी आयोजन हो रहा है, जिससे कक्षा में बच्चों के प्रदर्शन, व्यवहार आदि के बारे में बताया जाता है। यह सब पीएमश्री योजना की वजह से ही हो पाया है, इसके लिए मैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद देती हूं।

ये स्कूल हैं शामिल

विकासखण्ड अम्बिकापुर में प्राथमिक शाला जुनापारा एवं प्राथमिक शाला नगरपालिका, विकासखण्ड बतौली में प्राथमिक शाला झरगंवा एवं स्वामी आत्मानन्द अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बतौली, विकासखण्ड लखनपुर में प्राथमिक शाला लहपटरा एवं स्वामी आत्मानन्द अंग्रेजी माध्यम विद्यालय लखनपुर, विकासखण्ड लुण्ड्रा में प्राथमिक शाला कर्रा, विकासखण्ड मैनपाट में प्राथमिक शाला हर्रामार, विकासखण्ड सीतापुर में प्राथमिक शाला गेरसा, विकासखण्ड उदयपुर में प्राथमिक शाला सलका शामिल है। यहां 2889 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

जिले में स्वीकृत आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण गुणवत्तायुक्त ढंग से पूर्ण कराएं - सीईओ

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि जिले में स्वीकृत आंगनबाड़ी केन्द्र भवनों का निर्माण तय समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराएं। निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सीईओ डॉ. कन्नौजे ने 15 जनवरी को जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिले में महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने बैठक में वित्तीय वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 तक के समस्त अपूर्ण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। जिसमें ग्राम पंचायतवार तकनीकी सहायकों को आबंटित किए गए कार्यों की जानकारी ली गई। जिसमें जनपद पंचायत गुण्डरदेही एवं डौण्डीलोहारा में लंबित कार्य अधिक होने पर संबंधित तकनीकी सहायकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी लंबित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराएं।

सीईओ डॉ. कन्नौजे ने बैठक में कृषि एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन संबंधी कार्यों में निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप व्यय किये जाने हेतु जनपद पंचायत गुण्डरदेही को विशेष रूप से प्रगति लाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अधिक से अधिक प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के कार्य लेने निर्देश भी दिए। उन्होंने जिले में अमृत सरोवर में स्वीकृत निर्माण कार्यों के संबंध में विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने सामाजिक अंकेक्षण अंतर्गत निकासी बैठक में पारित निर्णयों पर समय-सीमा में आवश्यक कार्यवाही करते हुए शत-प्रतिशत वसूली किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में स्वीकृत आंगनबाड़ी भवन निर्माण की विस्तृत समीक्षा करते हुए समस्त कार्यों को गुणवत्तापूर्ण के साथ पूर्ण किये जाने तथा योजनांतर्गत संधारित की जाने वाली 07 पंजियों को अद्यतन कराने हेतु जनपद सीईओ को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराएं जिससे समय पर हितग्राहियों को उसका लाभ मिल सके।

छत्तीसगढ़ जूनियर बालक एवं बालिका टीम की घोषणा महाराष्ट्र नागपुर में खेलेंगे राष्ट्रीय चैंपियनशिप

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ जूनियर बालक एवं बालिका टीम की गुरुवार को घोषणा की गई। यह टीम 69वीं जूनियर राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता 2024-25 बालक एवं बालिका दिनांक 17 से 21 जनवरी 2025 तक नारखेर, नागपुर, महाराष्ट्र में आयोजित की जा रही है। यह प्रतियोगिता भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ एवं महाराष्ट्र बॉल बैडमिंटन संघ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की जा रही है इस प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की टीम में भाग ले रही है।

छत्तीसगढ़ बॉल बैडमिंटन संघ के महासचिव वाय राजा राव ने बताया कि बालक वर्ग कुणाल साहू कप्तान, महेश कुमार, गौरव दास मानिकपुरी सभी भिलाई इस्पात संयंत्र, राज पटेल तामन यादव बलोदा बाजार, विनय कुमार दुर्ग, बंटी चंद्रवंशी कबीरधाम, दीपक कोरे बस्तर, हिमांशु तिवारी महासमुंद, रोहन चौधरी रायपुर, मैनेजर देवमणि साहू, गरियाबंद कोच मोहम्मद रियाज, रायपुर होंगे। इसी प्रकार बालिका वर्ग हेमबती गोयल कप्तान, उर्मिला बघेल, दुर्गेश्वरी सभी बस्तर, मानसी कोंडागांव, दामिनी वर्मा, वर्षा कोसरे महासमुंद, खुशबू साहू बलोदा बाजार, खुशी दुबे कबीरधाम, पूजा साहू भिलाई इस्पात संयंत्र, यामिनी रायपुर, कोच सूरज नायक, बिलासपुर, मैनेजर योगिता ठाकुर बिलासपुर होंगी। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा ट्रैकसूट प्रदान किया गया। छत्तीसगढ़ बॉल बैडमिंटन संघ के कार्यकारी अध्यक्ष इसरार अहमद खान श्यामल बनर्जी कोषाध्यक्ष छत्तीसगढ़ बाल बैडमिंटन संघ नजीर खान रज्जी उन्नी अध्यक्ष भिलाई इस्पात संयंत्र बाल बैडमिंटन क्लब डीवीएस रेड्डी सचिव भिलाई इस्पात संयंत्र बाल बैडमिंटन क्लब जीएल प्रसाद कोषाध्यक्ष भिलाई इस्पात संयंत्र बॉल बैडमिंटन क्लब एवं सभी पदाधिकारी ने टीम को शुभकामनाएं दी।

मातृशक्ति को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने की दिशा में साथ सरकार कटिबद्ध : रत्नावली कौशल

श्रीकंचनपथ न्यूज

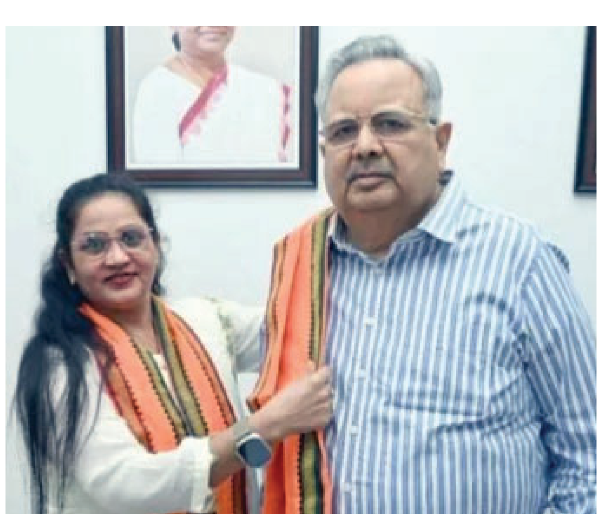

मुंगेली। भाजपा नेत्री एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को भाजपाई गमछा ओढ़ाकर उनका अभिनंदन किया। तत्पश्चात दोनों के बीच विकासपरक मसलों के साथ ही सत्ता,संगठन, स्थानीय निकायों और राज्य शासन के निगम,मंडलों,आयोगों, बोर्ड, प्राधिकरणों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर रत्नावली कौशल ने डॉ. रमन सिंह से सार्थक चर्चा की।

उन्होंने कहा कि समूचे विश्व में सर्वाधिक लोकप्रिय जननेता हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मृदुभाषी एवं संवेदशील मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी ने मातृशक्ति को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने की दिशा में बेहतरीन काम शुरू किए हैं। माता बहनों के कल्याण के लिए प्रदेश में महतारी वंदन योजना बहुत ही हितकारी साबित हुई है। वहीं प्रधानमंत्री जी की लखपति दीदी स्कीम भी कारगर साबित हो रही है। सर्वाधिक सुने जाने वाले अपने मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी अक्सर कामयाब महिलाओं का उल्लेख कर मातृशक्ति को मोरल सपोर्ट देते हैं। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की ठोस पहल के चलते हमारी माता बहनें लगातार आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रही हैं। मातृशक्ति का हौसला परवान चढ़ रहा है और अब वे राष्ट्र एवं राज्य के हित में योगदान देने आतुर हैं। वे शासन में भागीदारी देकर अपनी राज्य सेवा की भावना को साकार एवं फलीभूत करना चाहती हैं, इसलिए उन्हें सत्ता, संगठन, निकायों तथा राज्य शासन की विभिन्न इकाईयों में पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

डॉ. रमन सिंह ने युवा भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल के विचारों को प्रासंगिक बताते हुए कहा कि सरकार इस मामले में गंभीर है और मातृशक्ति को निराश नहीं होना पड़ेगा। रत्नावली कौशल ने जब डॉ. रमन सिंह को बताया कि वे अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रही है इस नाते वे राज्यभर की महिलाओं के संपर्क में लगातार रहती हैं। उपेक्षित वर्ग की महिलाओं को आगे बढ़ाने एवं उन्हें राज्य व केंद्र सरकारों की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में कोई कसर बाकी नहीं रखतीं। इसके चलते उपेक्षित वर्ग की महिलाएं अच्छी तरक्की कर रही हैं।

इसके साथ ही रत्नावली कौशल ने डॉ. रमन सिंह के निर्वाचन क्षेत्र राजनांदगांव एवं समूचे छत्तीसगढ़ की शानदार तरक्की का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया था और छत्तीसगढ़ को गढ़ने का काम भाजपा सरकार कर रही है। आपके मुख्यमंत्रित्व काल की आज भी लोग तारीफ करते हैं। वहीं हमारे मौजूदा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी भी छत्तीसगढ़ महतारी और उसकी संतानों की सेवा पूरी शिद्दत से कर रहे हैं।

एआईसीसी ने जेल में बंद विधायक देवेन्द्र पर जताया विश्वास नगरीय निकाय चुनाव के लिए 18 सदस्यीय समिति में दी जगह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी)और प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने जेल में बंद भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव पर विश्वास जताया है और प्रदेश में होने वाली आगामी नगरीय निकाय चुनाव को लेकर उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी है। बता दें कि विधायक यादव, 17 अगस्त से केन्द्रीय जेल रायपुर में बंद है और एआईसीसी ने विधायक देवेन्द्र पर विश्वास जताते हुए छत्तीसगढ़ में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव के लिए गठित कमेटी में स्थान दिया है। संगठन के इस निर्णय से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हर्ष जताया है और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व प्रदेश प्रभारी सचिन प्रायलट का आभार भी जताया है।

कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का कहना है कि कांग्रेस कमेटी और विधायक यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश के नगरीय निकायों में कांग्रेस के प्रत्याशियों को जिताने घर-घर जाएंगे और कांग्रेस का परचम लहराएंगे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की अनुशंसा से छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सचिन प्रायलट ने नगरीय निकायों में होने वाले चुनाव के लिए 18 सदस्यीय नगरीय निकाय चुनाव समिति गठित किया है। जिसमें पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, सांसद फूलोदेवी नेताम, पूर्व मंत्री टीएस सिंहदेव, एस संपत कुमार, श्रीमती जरिता लैतलफांग,विजय जांगिड़, विधायक उमेश पटेल, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू,रविन्द्र चैबे, डॉ शिव कुमार डहरिया, मोहन मरकाम,जय सिंह अग्रवाल, पूर्व विधायक धनेन्द्र साहू और प्रदेश महामंत्री मलकीत सिंह गैंदू को सदस्य बनाया गया है। वहीं कमेटी में चार आमंत्रित सदस्य बनाए गए हैं। जिनमें प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक, युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष शामिल किया गया है।

सिंचाई पंप कनेक्शन से आई किसानों के खेतों में हरियाली

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। जिले के छुरा विकासखंड के ग्राम कनसिंघी के तीन किसान फसल सिंचाई की चिंता से मुक्त हुये। पहले उन किसानों के पास सिंचाई सुविधा नहीं होने से वे अपने फसल के सूखने या कम पैदावार की चिंता सताती रहती थी। लेकिन अब सिंचाई पंप में स्थाई विद्युत कनेक्शन लग जाने से सिंचाई की सुविधा में बढ़ोत्तरी हुई है। कनसिंघी के किसान गिरवर नागेश, ऐत राम भुंजिया एवं श्री कल्याण सिंग गोंड़ द्वारा स्थाई सिंचाई पंप कनेक्शन के लिए विद्युत वितरण कंपनी में आवेदन किया गया था। जिस पर उनके आवेदनों का परीक्षण कर स्वीकृति पश्चात् कार्यादेश जारी किया गया। इसके उपरांत विद्युत वितरण कंपनी द्वारा लाईन विस्तार कार्य पूर्ण करते हुये उनके सिंचाई पंप के लिए विद्युत कनेक्शन प्रदान कर दिया गया। इन उपभोक्ता किसानों को शासन कंपनी के नियमानुसार प्रति कृषक 1 लाख रूपये की छूट प्रदान करते हुये 3 लाख रूपये की छूट प्रदान की गई।

जिस पर किसान गिरवर नागेश ने बताया कि हम तीन किसानों ने मिलकर सिंचाई पंप विद्युत कनेक्शन हेतु आवेदन दिया था, जो कि पूर्ण हो चुका है। अब हम अपने खेतों में खरीफ एवं रबी दोनों सीजन में फसल ले सकते है। जिससे हमारी आर्थिक उन्नति और होगी। उन्होंने राज्य शासन और विद्युत वितरण कंपनी को साधुवाद दिया है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

धान खरीदी के लिए अफसर ने किसान से ली रिश्वत, रसीद काटने 4000 रुपए मांगे

बिलासपुर। बिलासपुर में धान खरीदी के दौरान रिश्वतखोरी का वीडियो वायरल हुआ है। ये वीडियो गतौरा धान खरीदी केंद्र का बताया जा रहा है। यहां बारदाना प्रभारी लवकुमार यादव और प्राधिकृत अधिकारी राजेंद्र राठौर घूस लेते दिखे।

आरोप है कि दोनों अधिकारियों ने किसान हरप्रसाद सूर्यवंशी से धान की क्वॉलिटी खराब होने की बात कही। साथ ही रसीद काटने के लिए किसान से 4000 रुपए की रिश्वत की मांगी। किसान ने दोनों अधिकारियों को रिश्वत देते हुए वीडियो बना लिया।

मामले की शिकायत मिलने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मस्तूरी ने तहसीलदार से जांच कराई। किसान द्वारा बनाए गए वीडियो में रिश्वत लेते हुए दोनों अधिकारियों की पहचान की गई। धान खरीदी केंद्र के प्रभारी नरेंद्र वस्त्रकार ने इस वीडियो की पुष्टि की और बताया कि वीडियो में दिखाई दे रहे व्यक्ति बारदाना प्रभारी लवकुमार यादव और प्राधिकृत अधिकारी राजेंद्र राठौर ही थे। इस मामले में उपायुक्त सहकारिता मंजू पांडेय ने लवकुमार यादव और राजेंद्र राठौर को नोटिस जारी किया है। साथ ही तीन दिन के अंदर अपना स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। नोटिस में यह भी कहा गया है कि यदि इन अधिकारियों की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं दिया जाता, तो उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार बाइक सवार युवक जा घुसा ट्रक के पीछे, हुई मौत; परिजनों में मचा कोहराम

जगदलपुर। जगदलपुर में एक बाइक सवार युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई।

जगदलपुर कोतवाली थाना क्षेत्र के महादेवघाट में रहने वाला विशाल बिसाई नगरनार स्थित एनएमडीसी में काम करता था। बीती रात बाइक ट्रक में जा टकराया, जिसके चलते उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी लगने के बाद मौके पर पहुंच पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेकाज भेजा।

मामले की जानकारी देते हुए नगरनार थाना प्रभारी टामेश्वर चौहान ने बताया कि बीती रात सेमरा पैट्रोल पम्प के पास एक तेज रफ्तार बाइक सवार युवक ट्रक में जा घुसा। इस घटना की जानकारी लगने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल भिजवाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि मृतक दो भाइयों में छोटा था, इसके अलावा मृतक विशाल बिसाई के पिता मंडी में काम करते हैं। विशाल रोजाना की तरह अपने बाइक से एनएमडीसी ड्यूटी में गया हुआ था, जहां से लौटने के दौरान हेलमेट को पहनने के बजाय गाड़ी के पीछे बांधकर वापस अपने घर जगदलपुर आ रहा था कि सेमरा पेट्रोल पंप के पास ट्रक से जा टकराया, जहां उसकी मौत हो गई।

पुलिस गिरफ्त में शातिर चोर, घूम-घूमकर करते थे चोरियां, कार की फुटेज से पकड़ाए आरोपी

अंजोरा चौकी क्षेत्र में तीन सप्ताह पहले हुई थी चोरी, 19 लाख से ज्यादा के जेवर की रिकवरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग के अंजोरा थाना क्षेत्र में तीन सप्ताह पूर्व हुई चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। पूराने चोर एवं शातिर नकबजन के द्वारा शहर व देहात क्षेत्रों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा था। इस मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की तो इन तक पहुंची। इस मामले में पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने 20.7 तोला सोना एवं 2 किलो 300 ग्राम चांदी, 02 एक्टिवा स्कूटर, 01 सेन्ट्रो कार जुमला कीमती करीबन 19 लाख, 20 हजार रुपए बरामद किया है।

ग्राम सिलोदा निवासी महेन्द्र कुमार यादव ने चौकी अंजोरा पहुंचकर इस संबंध में 26 दिसंबर को शिकायत दर्ज कराई थी। अपनी शिकायत में उन्होंने बताया कि 25 दिसंबर 2024 के शाम घर पर ताला लगाकर अपने रिस्तेदार के घर गया था। 26 दिसंबर को वापस घर आया तो घर का ताला टूटा हुआ था घर के अन्दर सामान बिखरा पडा था। आलमारी का ताला टूटा हुआ था और घर से सोने एवं चांदी के आभूषण एवं नगदी रकम गायब मिली। इस मामले में चौकी अन्जोरा, थाना पुलगांव में धारा 305, 331 (4) बीएनएस के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया।

धरपकड़ के लिए बनाई टीम

दुर्ग एसपी जितेन्द्र शुक्ला के निर्देश पर चोरों की धरपकड़ के लिए चौकी अंजोरा व एसीसीयू की टीमों को लगाया गया। पुलिस की टीम द्वारा आरोपी की पतासाजी के लिए घटना स्थल निरीक्षण कर आसपास क्षेत्र में रहने वाले लोगों से पूछताछ की गई। त्रिनयन एप की मदद लेते हुये घटना स्थल के आस-पास के सीसीटीवी का घटना दिनांक की रात्री फूटेज के अवलोकन दौरान एक संदिग्ध सेन्ट्रो कार दिखाई दिया। उक्त संदिग्ध सेन्ट्रो कार के संबंध में पतासाजी के लिए दुर्ग एवं भिलाई क्षेत्र के मुखबिरों को कार का फोटो भेजा गया था एवं जेल से छूटे अपराधी एवं पूराने चोरों के पास उक्त संदिग्ध सेन्ट्रो कार होने के संबंध में पतासाजी की जा रही थी।

आरोपी तक पहुंची पुलिस

इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि जेपी नगर केम्प 2 निवासी अनीश उर्फ भोलू किराये का मकान लेकर जवाहर नगर में रह रहा है जो वर्तमान में सिल्वर कलर की सेन्ट्रो कार लिया है। कार से घूम-घूमकर वह चोरी कर रहा है। सूचना के बाद टीम ने अनीश उर्फ भोलू को हिरासत में लिया। पूछताछ में अनीश ने बताया कि किशन उर्फ किशोर बंजारे एवं डी उदय कुमार उर्फ अन्ना के साथ मिलकर ग्राम सिलोदा में 25-26 दिसंबर 2024 एवं जामुल क्षेत्र के ग्राम खेदामारा में 20 दिसंबर 2024 को चोरी किया। इसके अलावा गुरजीत सिंह उर्फ बॉबी के साथ मिलकर 19 अक्टूबर 2024 को धमधा बस्ती में एवं आर्य नगर कोहका में 8 नवंबर 2024 को चोरी की।

आरोपी के बयान के बाद उसके साथियों तक पहुंची पुलिस

अनीश के बयान के बाद पुलिस ने उसके साथियों किशन उर्फ किशोर बंजारे, डी उदय कुमार उर्फ अन्ना व गुरजीत सिंह उर्फ बॉबी को भी पकड़ा। पूछताछ में सभी ने चोरी करना स्वीकार किया। चोरी की सम्पति अपने-अपने पास घर में रखना बताया। आरोपियों के निशानदेही पर आरोपियों के कब्जे से 20.07 तोला सोना एवं 2 किलो 300 ग्राम चांदी एवं घटना में प्रयुक्त सेन्ट्रो कार, एवं 02 एक्टिवा स्कूटर को जब्त किया गया। इस पूरी कार्रवाई में एसीसीयू से एएसआई गुप्तेश्वर यादव, प्रधान आरक्षक प्रदीप सिंह, चंद्रशेखर बंजीर, आरक्षक जी रवि, तिलेश्वर राठौर, बालमुकुन्द साहू, कोमल सिंह, नरेन्द्र सहारें, सनत भारती, विक्रांत सिंह, महिला आरक्षक आरती सिंह एवं चौकी अंजोरा से प्रधान आरक्षक आशीष राजपूत उल्लेखनीय भूमिका रही।

जगदलपुर दो बाइकों में हुई टक्कर, एक युवक की मौत और एक घायल

जगदलपुर। बोधघाट थाना क्षेत्र के कोर्ट तिराहा के पास गुरुवार की दोपहर को एक तेज रफ्तार केटीएम बाइक और एक अन्य बाइक में टक्कर हो गई। इस घटना में एक युवक की मौत हो गई। वहीं, दूसरा घायल हो गया। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंच घायल व शव को अस्पताल ले गई।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार की दोपहर को कोर्ट तिराहा के पास दो बाइकों के बीच टक्कर हो गई। घटना में एक युवक को गंभीर चोट आई। घटना के तत्काल बाद आसपास के लोगों ने घायलों को बेहतर उपचार के लिए पास के महारानी अस्पताल ले गए, जहां एक युवक ने दम तोड़ दिया। वहीं, दूसरे को भी गंभीर चोट आई है। घटना के बाद मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। मृतक की शिनाख्त की कोशिश की जा रही है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

भिलाई के बजाज शोरूम में चोरी, दो सोल्ड पल्सर बाइक ले भागे चोर

■ सीसीटीवी फुटेज में कैद हुए बदमाश, छावनी पुलिस जांच में जुटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छावनी थाना क्षेत्र में तीन दर्शन मंदिर के सामने स्थित एवीएन बजाज में आधी रात घुसे चोरों ने दो पल्सर बाइक चुरा लिया। घटना 15-16 जनवरी की दरमियानी रात लगभग 12:10 से 12:40 बजे के बीच की है। गुरुवार को सुबह शोरूम के मैनेजर अपने कर्मचारी के साथ पहुंचा और देखा तो दो पल्सर चोरी हो चुके थे। सीसी टीवी फुटेज चेक करने पर उसमें चार अज्ञात चोर दिखाई दिए जो बाइक लेकर पीछे के रास्ते से निकले। इस मामले में छावनी पुलिस ने बीएनएस की धारा 3(5), 305, 331(4) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार चार अज्ञात लोगों ने एवीएन बजाज शो रूम बिना रजिस्ट्रेशन नंबर की दो नई बाईक चोरी कर ली है। एवीएस के जनरल मैनेजर नवल किशोर राठी ने पुलिस को बताया कि गुरुवार की सुबह करीबन 09.30 बजे शो रूम के स्टाफ अरविंद गुप्ता एवं एजाज अहमद के साथ शो रूम को खोला तो देखा की शो रूम में रखे 2 बजाज पल्सर मॉडल एन एस 125 नहीं थे।

शो रूम के सीसीटीवी कैमरे चेक करने पर 4 अज्ञात चोर 15-16 की दरमियानी रात 12.10 बजे से 12.40 बजे के बीच शो रूम में पीछे की तरफ से घुसे। यहां से दो बजाज पल्सर मॉडल एन एस 125 जिसका चेचिस नंबर MD2B|2BX2SCK61765 एवं MD2B|2BX8SCK62144 को चुरा ले गए। चोरी गए वाहनों की कीमत 2,17,000 रुपए है। फ्लिहाल इस मामले में छावनी पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

अवैध रेत परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, खनिज विभाग की टीम ने 12 हाईवा किया जब्त

रायपुर। राजधानी रायपुर में अवैध रेत परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने इस कार्रवाई के दौरान 12 हाईवा जब्त किया है। जब्त हाईवा वाहनों को संबंधित थानों में सुपुर्द किया गया है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ऐसी कार्रवाई निरंतर की जाए, ताकि अवैध खनन और परिवहन पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके।

रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन और उप संचालक खनिज के निर्देशानुसार बीती रात अवैध रेत परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। खनिज विभाग की टीम ने सुपरवाइजर सुनीलदत्त शर्मा के नेतृत्व में अभियान चलाकर 12 हाईवा रेत को जब्त किया गया।

घर आए मेहमान की कार को किया आग के हवाले, गाड़ी जलकर खाक

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के दर्री थाना क्षेत्र में गुरुवार रात आगजनी की घटना घटी हैं। जहां अयोध्यापुरी जैलगांव चौक बस्ती में खड़ी एक स्विफ्ट डिजायर कार को अज्ञात लोगों ने आग के हवाले कर दिया। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तेज लपटों के कारण कार पूरी तरह जल गईं।

प्रकाश चौहान के घर संबलपुर से मेहमान आए थे, जिनकी कार (ष्टत्न12स्न9548) घर के बाहर खड़ी थी। रात में खाना खाने के बाद सभी लोग सो गए थे। आधी रात को पड़ोसियों ने जानकारी दी।सूचना के बाद दमकल की गाड़ी डेढ़ घंटे की देरी से पहुंची, जब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

कार मालिक प्रकाश चौहान का कहना है कि यह शॉर्ट सर्किट का मामला नहीं है, बल्कि जानबूझकर की गई साजिश है। उन्होंने बताया कि आसपास असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है, जिनसे अक्सर विवाद की स्थिति बनती है। दर्री थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही दोषियों को पकड़ लिया जाएगा।

बिलासपुर में लाठी-डंडे से पीट-पीटकर पत्नी को मार डाला: दस माह की बेटी को लेकर भागा आरोपी पति

24 घंटे बाद टमाटर मांगने गया पड़ोसी तब पता चला, आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मामूली विवाद के दौरान पति ने लाठी-डंडे से पीट-पीटकर अपनी पत्नी को मार डाला। जिसके बाद आरोपी पति 10 माह की मासूम बेटी को लेकर भाग निकला। दूसरे दिन पड़ोसी जब टमाटर मांगने पहुंचा, तब महिला की लाश खून से लथपथ जमीन पर पड़ी थी। वारदात के बाद पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। घटना कोटा थाना क्षेत्र की है।

थाना प्रभारी राज सिंह ने बताया कि ग्राम सलका निवासी मैकू धनवार (45) रोजी-मजदूरी करता है। सोमवार 13 जनवरी को वह घर पर थी। इसी दौरान रात में उसका पति मैकू धनवार अपनी पत्नी समुद्री बाई (43) से किसी बात को लेकर विवाद कर रहा था। गाली-गलौज की आवास पड़ोसियों ने भी सुनी। लेकिन, थोड़ी देर बाद आवाज आनी बंद हो गई। जिसके बाद पड़ोसियों ने ध्यान नहीं दिया।

पड़ोसी पहुंचा तो खून से लथपथ पड़ी थी महिला की लाश

इसके दूसरे दिन मंगलवार की शाम पड़ोस में रहने वाला व्यक्ति उसके घर टमाटर मांगने के लिए गया। तब मकान बाहर से बंद था। दरवाजा खोलकर उसने अंदर झांककर देखा तो महिला की लाश खून से लथपथ पड़ी थी। इससे डरकर वह अपने घर चला गया। बुधवार की सुबह उसने गांव के सरपंच को घटना की जानकारी दी। सरपंच की सूचना पर पुलिस की टीम गांव पहुंची। पूछताछ के बाद पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पीएम कराया है। थाना प्रभारी ने पूछताछ की, तब पता चला कि दो दिन पहले रात में मामूली घरेलू विवाद हुआ था। तब उन्हें हत्या की जानकारी नहीं थी। जांच के दौरान महिला के सिर पर गंभीर चोट और घटना स्थल पर लाठी पड़ा मिला। पूछताछ में यह भी पता चला कि समुद्री बाई की 10 माह का बेटी भी थी। वारदात के बाद से मैकू अपनी बेटी को लेकर फरार हो गया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही घटना का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

संतान नहीं होने पर साले की बेटी को लिया है गोद

पुलिस को गांव के लोगों ने बताया कि मैकू और समुद्री का शादी के कई साल तक बच्चा नहीं हुआ। इसके बाद समुद्री ने अपने भाई की बेटी को गोद लिया है। समुद्री के मायके वाले भी उसकी तलाश कर रहे हैं। ताकि, बच्ची को अपने पास रख सके। पुलिस की टीम उसके संभावित ठिकानों की जानकारी जुटा रही है।

जांजगीर में रफ्तार का कहर: सड़क के किनारे पलटी अनियंत्रित कार, दो युवक घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। सारागांव थाना क्षेत्र के ग्राम कमरीद में तेज रफ्तार के चलते एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार, संजय महंत (25) और रामरतन यादव (24) बाराद्वार से अपनी कार में गांव कमरीद की ओर जा रहे थे। तेज रफ्तार के कारण कार का चालक नियंत्रण खो बैठा, जिससे कार पेड़ से टकराने के बाद तीन से चार बार पलटी और सड़क किनारे गड्ढे में गिर गई। हादसे में दोनों युवकों को गंभीर चोटें आई हैं। घायलों को 108 एंबुलेंस सेवा के पायलट अरुण साहू और ईएमटी महेंद्र यादव द्वारा तत्काल बीडीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030

Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more

पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

छत्तीसगढ़ में किसानों की आय बढ़ने का लाभ ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री सहित पूरी अर्थव्यवस्था को : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय ने राडा ऑटो एक्सपो 2025 का किया उद्घाटन, छत्तीसगढ़ सरकार दे रही लाईफ टाईम रोड टैक्स पर एकमुश्त 50 प्रतिशत की छूट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अविभाजित मध्यप्रदेश में मुझे दो बार विधायक रहने का मौका मिला, इस दौरान मैंने 8 साल की विधायकी मोटरसाइकिल में की। लोगों से मिलना, उनकी समस्याओं को सुनना, अपने विधानसभा क्षेत्र का दौरा सब कुछ मोटरसाइकिल में ही किया। तब से अब तक बहुत परिवर्तन हो गया है। छत्तीसगढ़ में किसानों की आय बढ़ने का लाभ ऑटोमोबाइल उद्योग सहित पूरी अर्थव्यवस्था को मिल रहा है। इसका असर हर क्षेत्र में दिख रहा है। राज्य में ऑटो सेक्टर भी तेजी से बढ़ रहा है। आज यातायात के साधनों की संख्या बहुत बढ़ गई है। इसलिए सुरक्षित यातायात के लिए सड़क पर वाहन चलाते हुए ट्रैफिक नियमों का पालन करना आवश्यक है। यातायात नियमों की जानकारी हम सभी को होनी चाहिए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के साइंस कालेज ग्राउण्ड में आयोजित राडा ऑटो एक्सपो 2025 का उद्घाटन करते हुए यह बात कही।

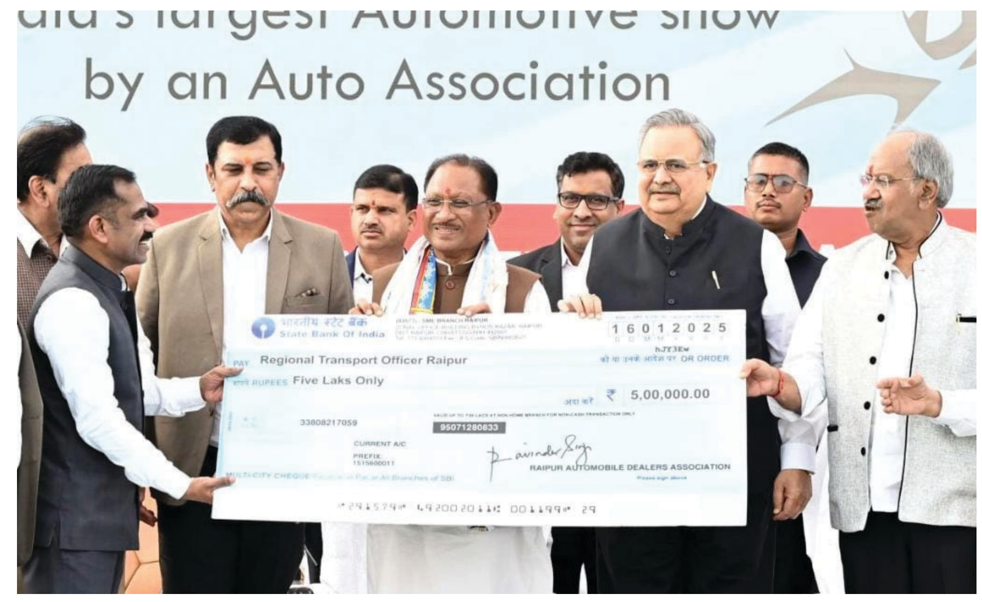

मुख्यमंत्री श्री साय ने ऑटो एक्सपो 2025 के आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि पिछले साल ऑटो एक्सपो में 10 हजार से ज्यादा वाहन बिके थे। इस साल भी वाहनों के लाईफ टाईम रोड टैक्स पर एकमुश्त 50 प्रतिशत की छूट दिए जाने का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया गया है। इस निर्णय के बाद मुझे लगता है ऑटो एक्सपो में वाहनों की बिक्री का आंकड़ा 20 हजार तक पहुंच जाएगा। मुख्यमंत्री ने एक्सपो ने आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि ऑटो एक्सपो के आयोजन में हर तरह की जरूरतों की अलग-अलग श्रेणियों के वाहनों को एक जगह पर खरीदा जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रदेश में अन्नदाताओं को धान का सबसे ज्यादा दाम मिल रहा है। इसका असर हर क्षेत्र में दिख रहा है। राज्य में ऑटो सेक्टर भी तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले साल 24 लाख 72 हजार किसानों ने 145 लाख मीट्रिक टन धान का विक्रय किया था। इस वर्ष यह आंकड़ा भी रिकॉर्ड पार कर जाएगा। इस साल 27 लाख से ज्यादा पंजीकृत किसानो से लगभग 160 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन संभावित है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा कि एक समय था जब छत्तीसगढ़ को आर्थिक रूप से पिछड़ा राज्य माना जाता था। आज अपनी 25 वर्ष की यात्रा में छत्तीसगढ़ अपने पैरों पर खड़ा है। 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर किसानों से धान की खरीदी छत्तीसगढ़ सरकार कर रही है। किसान के घर में खुशहाली आने से सभी की प्रगति होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की पहल पर सड़कों का जाल छत्तीसगढ़ में बिछाया जा रहा है। बहुत तेजी से छत्तीसगढ़ में सड़कों का निर्माण हो रहा है। दूसरी ओर एक्सीडेंट्स भी बढ़ रहे हैं, इसे रोकना हम सभी के लिए जरुरी है। हमें सड़क पर चलते वक्त सभी नियमों का पालन और सुरक्षा के उपाय जरुर अपनाने चाहिए।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि ऑटोमोबाइल कनेक्टिविटी का सबसे अहम जरिया हैं। छत्तीसगढ़ में किसानों के खाते में सीधे पैसा आने से छत्तीसगढ़ में ऑटोसेक्टर बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में 50 प्रतिशत रोड टैक्स में लाइफ्टाइम की छूट का लाभ बड़ी संख्या में मध्यमवर्गीय परिवारों को मिलेगा।

वाहनों की बिक्री के साथ जीवन की सुरक्षा भी बहुत जरूरी है। लोगों को जागरूक कर के ही हम सड़क सुरक्षा को लागू कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने ऑटो एक्सपो में होंडा एसपी 125 और ऑडीक्यु 7 वाहनों को लांच किया और सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे लोगों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर ऑटो एक्सपो में सड़क सुरक्षा पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर रोड सेफ्टी के लिए रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर एसोसिएशन द्वारा 5 लाख की राशि सीएसआर के तहत दी गयी। मुख्यमंत्री ने ऑटो एक्सपो के पहले कस्टमर को वाहन की चाबी भी सौंपी। इस अवसर पर विधायक राजेश मूणत,विधायक मोतीलाल साहू, पूर्व विधायक राजकमल सिंघानिया, परिवहन सचिव एस. प्रकाश, अतिरिक्त परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर, राडा के अध्यक्ष रविन्द्र भसीन, छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफकॉमर्स के अध्यक्ष अमर परवानी, मनीष राज सिंघानिया सहित राडा के सदस्यगण व आमजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने हेलमेट लगाकर चलायी स्कूटर, बोले-

वाहन चलाते समय यातायात नियमों का करें पालन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में मनाये जा रहे 36वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हेलमेट लगाकर स्कूटर चलाते हुए प्रदेशवासियों को हेलमेट लगाने और यातायात के नियमों के नियमों का पालन करने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने गुरुवार को राजधानी रायपुर के रोहणीपुरम गोल चौक पहुंचकर बाईक रैली में हिस्सा लिया।

उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों के साथ साथ चार पहिया वाहन चालकों से भी यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। इस दौरान श्री साय ने हरी झण्डी दिखाकर भव्य बाईक रैली को रवाना भी किया। रैली के दौरान स्वंयसेवी संस्थाओं ने नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से यातायात नियमों का पालन करने से होने वाले फायदों के बारे में भी लोगों को जागरूक किया गया।

स्वयं व परिवार को सुरक्षित रखना अपना कर्तव्य

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि मनुष्य का जीवन अत्यंत अनमोल है। मनुष्य के अपने परिवार और समाज के प्रति दायित्व होते हैं, जिनका उनको निर्वहन करना होता है। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने अपने परिवार के लिए अनमोल हैं जिसकी जगह कोई अन्य कभी नहीं ले सकता। इसलिए स्वयं को और अपने परिवार के सदस्यों को सुरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वाहन चलाते समय हम सभी को यातायात नियमों का पालन जरूर करना चाहिए। दो पहिया वाहन चलाते समय सिर पर हेलमेट अवश्य ही पहनना चाहिए और कार चलाते समय सीट बेल्ट भी लगाना चाहिए।

सड़क दुर्घटनाओं में हो रही मौतों पर जताई चिंता

मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं में हर वर्ष हो रही मौतों पर चिंता जताते हुए इसे देश व राज्य की क्षति बताया है। उन्होंने कहा कि यह दुर्घटनाएं यातायात के नियमों का पालन नहीं करने से होती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा सीमित रफ्तार में वाहन चलाने से वाहन पर बेहतर नियंत्रण होने से दुर्घटना होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। उन्होंने कहा कि कभी भी नशे का सेवन कर वाहन नहीं चलाना चाहिए। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को यातायात के नियमों का पालन करने का संदेश दिया ताकि अपने जीवन के साथ-साथ दूसरे लोगों का जीवन भी सुरक्षित रहें और पारिवारिक एवं सामाजिक जिम्मेदारियों का पूरी तरह से निर्वहन किया जा सके।

31 जनवरी तक है सड़क सुरक्षा माह

उल्लेखनीय है कि 36वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 31 जनवरी 2025 तक मनाया जा रहा है। इसके तहत रायपुर यातायात पुलिस द्वारा लोगों को सुरक्षित वाहन चलाने के लिए जरूरी नियमों के बारे में जानकारी दी जा रही है। रोचक तरीके से सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा की थीम पर बैनर-पोस्टर लगाकर लोगों को यातायात नियमों की जानकारी दी जा रही है। पुलिस और प्रशासन ने इस पूरे अभियान के लिए अलग-अलग दिनों पर अलग-अलग जगहों पर विभिन्न कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में वाहन चालकों, स्थानीय नागरिकां और छात्र-छात्राओं के पालकों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जा रही है। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री लाल उम्मेद सिंह सहित पुलिस और परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण व बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के 6 निगमों में होगी कम्प्रेस्ड बायोगैस संयंत्र की स्थापना, सरकार करेगी इन कंपनियों से एमओयू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के 6 नगर पालिक निगमों अम्बिकापुर, रायगढ़, कोरबा, बिलासपुर, राजनांदगांव और धमतरी में कम्प्रेस्ड बायोगैस संयंत्र की स्थापना होगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में 17 जनवरी सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में इन निगमों में नगरीय ठोस अपशिष्ट से बायोगैस के उत्पादन हेतु कम्प्रेस्ड बायोगैस संयंत्र की स्थापना के लिए छत्तीसगढ़ बायो फ्यूल विकास प्राधिकरण (सीबीडीए), गेल इंडिया लिमिटेड (गेल) एवं भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के मध्य त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री अरूण साव भी

कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

नगर पालिका निगम अम्बिकापुर, रायगढ़ और कोरबा में कम्प्रेस्ड बायोगैस संयंत्र की स्थापना के लिए संबंधित नगर पालिका, सीबीडीए एवं गेल इंडिया लिमिटेड तथा नगर पालिका निगम बिलासपुर, धमतरी और राजनांदगांव में संयंत्र की स्थापना के लिए संबंधित नगर पालिका, सीबीडीए, भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन के मध्य त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इन नगर पालिका निगमों में लगभग 350 मीट्रिक टन नगरीय ठोस अपशिष्ट एवं लगभग 500 मीट्रिक टन अधिशेष बायोमास का उपयोग कर प्रतिदिन लगभग 70 मीट्रिक टन कम्प्रेस्ड बायोगैस का उत्पादन किया जाएगा। इन संयंत्रों की स्थापना के लिए 600 करोड़ रूपए का निवेश गेल एवं बीपीसीएल द्वारा किया जाएगा। संयंत्र की स्थापना से राज्य में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख मानव दिवस रोजगार सृजित होगा। इन संयंत्रों में सह उत्पाद के रूप में निर्मित होने वाली जैविक खाद से राज्य में जैविक खेती को प्रोत्साहन मिलेगा। ग्रीन हाऊस गैस के उत्सर्जन में कमी आएगी तथा पर्यावरण स्वच्छ होगा।

मुख्यमंत्री साय की पहल पर प्रयागराज महाकुंभ में छत्तीसगढ़ पवेलियन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर प्रयागराज महाकुंभ में राज्य के स्थानीय लोगों के लिए छत्तीसगढ़ पवेलियन पूरी तरह से तैयार है। राज्य के लोगों को प्रयागराज में भी अपनेपन का अहसास मिले इसलिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने यहां स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देते हुए लोगों के निःशुल्क ठहरने और भोजन करने भी व्यवस्था की है। छत्तीसगढ़ के जो भी श्रद्धालु महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाना चाहते हैं उनके लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। छत्तीसगढ़ पवेलियन महाकुंभ मेला के सेक्टर 6 में स्थित है। यह ठीक बघाड़ा थाना मेला के पास स्थित है जहां आने के लिए लक्ष्मी द्वार से प्रवेश करना है। यहां से निकटतम रेलवे स्टेशन प्रयाग है। सड़क अथवा हवाई मार्ग से आने वाले श्रद्धालु इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के रास्ते दारागंज होते हुए पुराना लोहे का यमुना ब्रिज क्रॉस करके यहां पहुंच सकते हैं।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार सजग: वित्त मंत्री चौधरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाने में बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार सजग है और पिछड़े एवं दूरस्थ इलाकों में बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने आज राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक को सम्बोधित करते हुए यह बात कही।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था में बैंकिंग सिस्टम रीढ़ की तरह है। बिना बैंकिंग सुविधा का विकास किए बिना हम प्रदेश का विकास नहीं कर सकते इसलिए हमें तेजी से बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार करना होगा।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ डीबीटी के मामले में देश में अग्रणी राज्य है। राज्य में पहले की अपेक्षा में बैंकिंग सेवाओं का विस्तार हुआ है, लेकिन अभी और विस्तार की गूंजाईश है। उन्होंने बताया कि राज्य का सीडी रेसियो राष्ट्रीय स्तर से बेहतर है और छत्तीसगढ़ देश में तीसरा सर्वाधिक सीडी रेसियो वाला राज्य है। लेकिन कुछ जिलों का सीडी अनुपात कम है, इसे बढ़ाने पर जोर देना चाहिए।

वित्त मंत्री चौधरी ने बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को खरीफके साथ-साथ रबी, उद्यानिकी, मत्स्यपालन और पशुपालन के लिए भी पर्याप्त मात्रा में ऋण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख से अधिक आवास निर्माण का वृहद अभियान चलाया जा रहा है। पीएम आवास के लाभार्थियों को यदि बैंक ऋण उपलब्ध कराया जाता है तो लाभार्थियों के लिए व्यवस्थित और सुविधायुक्त आवास बनाने में आसानी होगी। इससे राज्य में रोजगार के अवसरों के साथ-साथ आर्थिक क्रियाकलापों में भी बढ़ोतरी होगी। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा नवा रायपुर में बैंकों के रीजनल और हेड ऑफिस प्रारंभ करने के लिए हर संभव मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि नया रायपुर में रीजनल और हेड ऑफिस बनाने के लिए सरकार द्वारा जमीन आवंटन प्राथमिकता से किया जाएगा। उन्होंने बैंक अधिकारियों को कहा कि छत्तीसगढ़ के पिछड़े और दूरस्थ इलाकों में बैंक शाखाएं प्रारंभ करने पर इन शाखाओं को सरकारी योजनाओं की डिपॉजिट दिलाने की पहल की जाएगी। समीक्षा बैठक को अतिरिक्त मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सिंह, प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, एसबीआई के उप प्रबंधक निदेशक सुरेन्दर राणा, सीजीएम नाबार्ड ज्ञानेंद्र मणि, शीतल एस वर्मा डीआईएफ छत्तीसगढ़ सहित अनेक बैंक अधिकारियों ने संबोधित किया। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार, वित्त सचिव मुकेश कुमार बंसल सहित विभिन्न विभागों के सचिव, आयुक्त, संचालक स्तर के अधिकारी और बैंकर्स उपस्थित थे।

विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए शिक्षा जरूरी: राजस्व मंत्री

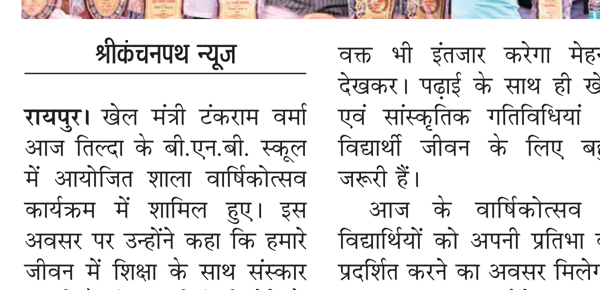

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खेल मंत्री टंकराम वर्मा आज तिल्दा के बी.एन.बी. स्कूल में आयोजित शाला वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में शिक्षा के साथ संस्कार जरूरी है। शिक्षा की डिग्री लेने के साथ-साथ नैतिक, व्यवहारिक तथा खेल भी जरूरी है। विद्यालय को अच्छा बनाने की जिम्मेदारी न केवल शिक्षकों की अपितु विद्यार्थी और पालकों की भी है। शिक्षा के स्तर को ऊंचा करने में सभी की भागीदारी जरूरी है।

राजस्व मंत्री वर्मा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि मेहनत कीजिए बिना वक्त देखकर, वक्त भी इंतजार करेगा मेहनत देखकर। पढ़ाई के साथ ही खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियां भी विद्यार्थी जीवन के लिए बहुत जरूरी हैं।

आज के वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि तिल्दा क्षेत्र के विभिन्न शालाओं में विकास कार्यो के लिए की गई घोषणाओं में से 57 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है, जिन स्कूलों के लिए राशि जारी हुई है वहाँ अब काम प्रारम्भ कर शीघ्र पूर्ण करने कहा। इस अवसर पर जनप्रतिधिगण, शिक्षक सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी और पालकगण उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950